संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-20 अंक- 347
पृष्ठ 8
रविवार
08 सितम्बर 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

प्रयागराज से प्रकाशित  Email : shaharsamta@gmail.com  Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ऑयली स्किन वाले लगाएं ...  विचार- दो विपरीत ध्रुव पर जमे हुए हैं...  खेल- वो कोयला ही है... अर्जुन तेंदुलकर...

पीएम मोदी ने नेशनल टीचर अवार्ड विनर्स से बात की

## सभी को भ्रम है, वहां सब इंग्लिश जानते हैं, मातृभाषा भी जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल टीचर्स अवार्ड विनर्स से मुलाकात की। इस साल 82 शिक्षकों को यह अवार्ड दिया जाएगा। पीएम ने कहा– आज के युवाओं को विकसित भारत के लिए तैयार करने में टीचर्स की अहम जिम्मेदारी है।

मोदी ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (NEP) पर भी चर्चा की। इस दौरान तमिलनाडु से आई एक टीचर ने बताया कि, उनके इलाके में कई लोग लोकल लैंग्वेज में पढ़ना चाहते हैं। इस पर पीएम ने कहा– हमारे बीच तो यही भ्रम है कि तमिलनाडु में सब इंग्लिश जानते होंगे। इसीलिए नई शिक्षा नीति में मातृ भाषा

पर जोर दिया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने टीचर्स को अवार्ड दिया था राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 5 सितंबर को देशभर के 82 शिक्षकों को यह अवार्ड दिया था। इस मौके पर राष्ट्रपति ने कहा था कि शिक्षकों को ऐसे नागरिक तैयार करने होंगे जो न केवल शिक्षित हों बल्कि संवेदनशील, ईमानदार और उद्यमी भी हों। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ना ही सफलता है, लेकिन जीवन की सार्थकता दूसरों के कल्याण में भी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, किसी को पढ़ाना केवल एक नौकरी नहीं है। यह मानव विकास का एक पवित्र मिशन है। अगर कोई बच्चा अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता है, तो इसकी जिम्मेदारी एजुकेशन सिस्टम और टीचर्स को लेनी होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आए थे, तो मैंने कहा था कि तीसरे कार्यकाल में हमारी सरकार तीन गुना तेजी से काम करेगी। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि अब इरादे और मजबूत हैं और देश के हर नागरिक की तरह सरकार भी उम्मीद और विश्वास से भरी हुई है।

## मणिपुर के जिरीबाम में हिंसा, 5 की मौत

घर में घुसकर बुजुर्ग की हत्या, फिर कुकी-मैतेई के बीच फायरिंग में 4 की जान गई

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में फिर हिंसा भड़क गई है। जिरिबाम में शनिवार को अलग–अलग दो घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, पहली घटना जिला हेडक्वार्टर से करीब सात किलोमीटर दूर हुई। संदिग्ध पहाड़ी उग्रवादियों ने एक घर में घुसकर बुजुर्ग को सोते समय गोली मार दी। मृतक की पहचान कुलेंद्र सिंघा के रूप में हुई। वह घर में अकेले रहते थे।

दूसरी घटना इसके बाद हुई। इसमें कुकी और मैतेई समुदायों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई। इलाके में सुबह से लगातार गोलीबारी की खबरें आ रही हैं। मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है।

इंफाल में मणिपुर राइफल्स हेडक्वार्टर पर हमला, भीड़ ने हथियार लूटने की कोशिश की

दूसरी तरफ, इंफाल वेस्ट और इंफाल ईस्ट में शुक्रवार (6 सितंबर) देर रात भीड़ ने मणिपुर राइफल्स हेडक्वार्टर पर हमला कर दिया। गुस्साई भीड़ सुरक्षाबलों से हथियार लूटना चाहती थी। पुलिस ने CRPF जवानों के साथ मिलकर जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने पैलेट गन से कई राउंड फायरिंग की। मॉक बम और आंसू गैस के गोले भी दागे।

सुरक्षाबलों और भीड़ के बीच रातभर संघर्ष चला। 5 लोगों के घायल होने की खबर है। उन्हें JNIMS अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी तक हथियार या गोला–बारूद लूटे जाने की कोई पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि दोनों जगहों पर हिंसा में मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ सकती है।

राज्य में तनाव को देखते हुए सभी स्कूलों–कॉलेजों को बंद कर दिया गया है। कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी (COCOMI) ने कानून–व्यवस्था लागू करने में सरकार की विफलता के विरोध में काम बंद करने और जनता कर्फ्यू का आह्वान किया है। इंफाल में सुबह से सभी दुकानें बंद हैं। सड़कें और बाजार सुनसान पड़े हैं।

7 दिनों में हिंसा की चौथी घटना, 1 सितंबर से अब तक 8 की मौत मणिपुर में 1 सितंबर से अब तक 7 दिनों के भीतर हिंसा की 4 बड़ी घटनाएं हुई हैं। 7 सितंबर की घटना को छोड़ दें तो अन्य तीन घटनाओं में 3 लोगों की मौत और 12 घायल हुए हैं।

## आंध्र प्रदेश में बाढ़, लगातार बारिश से 33 लोगों की मौत

विजयवाड़ा (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में पिछले सात दिनों के दौरान जारी भारी बारिश और बाढ़ से 33 लोगों की मौत हो गयी, जबकि दो व्यक्ति अभी भी लोग लापता हैं। शनिवार को यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि राज्य में बाढ और बारिश से अभी तक 33 लोगों की जान चली गयी है। जिनमें से

एनटीआर जिले में 25, गुंटूर जिले में सात और पलनाडु जिले में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। इस आपदा में 106 बड़े और 356 छोटे सहित 462 मवेशी मारे गए। इसके अलावा 61,974 पक्षी भी मारे गए हैं। अधिकारी ने विशेष रूप से पशुधन के लिए 131 स्वास्थ्य शिविर स्थापित किए, जहां 14,092 जानवरों का इलाज किया गया है। बाढ़ के कारण सात विद्युत उप–स्टेशन और दो 33 केवी फीडर क्षतिग्रस्त हो गए। फिलहाल, उनकी मरम्मत कर दी गई। बाढ़ के कारण 63 स्थानों पर सड़कें टूट गईं। विज्ञप्ति के अनुसार, बाढ़ और लगातार बारिश के कारण 20 जिलों में 1,81,538 हेक्टेयर क्षेत्रफल में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है और 205194 किसानों को इसका नुकसान हुआ।

## विकसित भारत के हवन में प्रत्येक व्यक्ति को देनी होगी आहुति : धनखड़

गोरखपुर (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वर्ष 2047 तक ..विकसित भारत. . की संकल्पना को लेकर जारी अभियान में सबसे योगदान देने की अपील करते हुए आज कहा कि विकसित भारत के हवन में प्रत्येक व्यक्ति को आहुति देनी चाहिए क्योंकि हम देश के लिए जितना भी कर सकें कम है।

श्री धनखड़ शनिवार को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह को संबोधित किया और उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बताते हुए यहां 2017 के बाद आए बदलाव के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुक्तकंठ से सराहना की।

उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में बनी भारत की अलग और सशक्त पहचान में उत्तर प्रदेश की गुणात्मक भागीदारी है। उन्होंने 2047 तक .विकसित भारत. की संकल्पना को लेकर

जारी अभियान में सबसे योगदान देने की अपील की। इस मौके पर उपराष्ट्रपति की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ भी उपस्थित रहीं।

उपराष्ट्रपति ने उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आए परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 के बाद यूपी में शिक्षा, चिकित्सा, उद्यमिता तथा अन्य क्षेत्रों में गुणात्मक वृद्धि हुई है जबकि 2017 के पहले यह प्रदेश डर की चपेट में था। कानून व्यवस्था ठीक नहीं थी, आम आदमी परेशान रहता था।

उन्होंने कई पहलुओं पर योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि सैनिक स्कूल गोरखपुर को मात्र तीन वर्ष में पूरा करवाकर योगी जी ने शानदार और चमत्कारिक कार्य कर दिखाया है वैसे तो योगी जी के चमत्कारिक कार्यों की गूंज हर जगह सुनाई देती है। तीन वर्ष में सैनिक स्कूल बनकर संचालित होना मुश्किल और अकल्पनीय था लेकिन सीएम योगी ऐसा कर देंगे यह विश्वास भी था।

सैनिक स्कूल समेत सभी स्कूलों के विद्यार्थियों और आमजन को प्रेरित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीयता हमारी पहचान और राष्ट्र हमारा धर्म है। हमें निजी स्वार्थ से ऊपर राष्ट्र धर्म को रखना होगा। राष्ट्रवाद से समझौता राष्ट्र के साथ धोखा होगा। राष्ट्र पर प्रश्न चिन्ह लगाने वालों को हमें बर्दाश्त नहीं करना है।

## आप हरियाणा की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार : कक्कड़

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस के साथ गठबंधन की बातचीत प्रारंभिक चरण में है लेकिन पार्टी राज्य की सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक सवाल के जवाब में आज कहा कि हरियाणा चुनाव में गठबंधन को लेकर कांग्रेस के साथ बातचीत चल रही है इसलिए उस पर कुछ कहना सही नहीं है।पार्टी हरियाणा में लगातार काम कर रही है और आज भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल की हरियाणा में सभा है। हम पूरी तरह से राज्य की 90 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग आखिरी के पाँच दिन में मेहनत नहीं करने वाले बल्कि वहाँ पहले से संगठन का काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में हमारी पार्टी के कुरुक्षेत्र से सुशील गुप्ता चुनाव लड़े थे जिनको पाँच लाख से अधिक वोट मिले थे और बहुत कम के अंतर से चुनाव हारे थे। इससे पता चलता है कि जमीन पर हमारा संगठन कितना मजबूत है।

3 परिवारों ने जम्मू-कश्मीर को लूटा, अमित शाह बोले

## अब दोबारा फैलाना चाहते हैं आतंकवाद

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने

शनिवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी)–कांग्रेस गठबंधन पर अलगाववादियों और आतंकवादी समर्थकों की रिहाई की मांग करके जम्मू–कश्मीर को अस्थिर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले जम्मू में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए, शाह ने क्षेत्र में आतंकवाद को फिर से बढ़ावा देने के प्रयासों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया।

नेकां और कांग्रेस पत्थरबाजों को रिहा करना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि राजौरी और पुंछ में आतंकवाद पनपे। हमने उपद्रवियों को जेल में डाल दिया है। वे चाहते हैं कि नियंत्रण रेखा के पार व्यापार फिर से शुरू हो। इससे किसे फायदा होगा?

बृजभूषण सिंह के बयान पर बजरंग पुनिया का पलटवार, बोले

## मैं लोगों की सेवा की करने के लिए राजनीति में आया

नयी दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान और कांग्रेस नेता बजरंग पुनिया ने शनिवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृज भूषण सिंह की आलोचना की। साथ ही साथ विनेश फोगाट के चुनाव लड़ने के फैसले को भी सही ठहराया है। बजरंग पुनिया ने फोगाट के चुनाव लड़ने पर कहा कि हमने तय किया था कि हममें से केवल एक ही चुनाव लड़ेगा और वह चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं विनेश के साथ खड़ा हूं...मैं संगठन में काम करूंगा और हाईकमान द्वारा दी गई जिम्मेदारी को निभाऊंगा।

पहलवानों के पार्टी में शामिल होने के बाद कांग्रेस समर्थित विरोध प्रदर्शन के आरोपों को लेकर बजरंग पुनिया ने कहा कि हमें धरने पर क्यों बैठाया गया? वे कौन थे? कांग्रेस पार्टी का या किसी और का? उस समय हमारा राजनीति से कोई लेना–देना नहीं था।

हरियाण में गरजीं सुनीता केजरीवाल, कहा

## पीएम मोदी के सामने नहीं झुकेंगे अरविंद

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के सामने नहीं झुकेंगे, दिल्ली के मुख्यमंत्री की पत्नी ने भारतीय जनता पार्टी पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया। सुनीता केजरीवाल ने शनिवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के तहत भिवानी में आयोजित टाउनहॉल में जनता को संबोधित किया। खुद को हरियाणा की बहू और बेटी संबोधित करते हुए सुनीता केजरीवाल ने कहा कि मैं साफ कर देना चाहती हूं कि अरविंद केजरीवाल पीएम मोदी के सामने नहीं झुकेंगे। बीजेपी अपने विरोधियों को जेल में डालती है और सिर्फ सत्ता की लालची है। वह जानती है कि कैसे पार्टियों को तोड़ने के लिए। पिछले 10 साल से हरियाणा में भाजपा की सरकार है लेकिन राज्य में कोई काम नहीं हुआ है।

## लालू-तेजस्वी को राहत! कोर्ट ने समन का टाला आदेश

अब 13 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

पटना (एजेंसी)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों को समन पर आदेश टाल दिया। मामले को आदेश के लिए 13 सितंबर के लिए सूचीबद्ध किया गया है। 6 अगस्त को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लालू, तेजस्वी और नौ अन्य के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। तीन आरोपियों की मौत हो चुकी है। इससे पहले इस मामले में 24 अगस्त को पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनके बेटे तेजस्वी

यादव और आठ अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के बारे में अपना आदेश स्थगित कर दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने शनिवार को अभियोजन पक्ष की शिकायत (ईडी के आरोपपत्र के समकक्ष) पर आदेश सात सितंबर तक के लिए टाल दिया और कहा कि कुछ स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। पूरक आरोप पत्र छह अगस्त को अदालत के समक्ष दायर किया गया था। ईडी का मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है।

# यादव या कुर्मी प्रत्याशी पर दांव लगा सकती है सपा, जीत के लिए पूरी ताकत झोंकी

प्रयागराज। विधानसभा उपचुनाव की रणभेरी भले ही अभी नहीं बजी है, लेकिन चुनावी कुरुक्षेत्र सजना शुरू हो गया है। फूलपुर लोकसभा की फूलपुर विधानसभा चुनाव में मिले अच्छे मत से उत्साही सपाई इसे अब अपना मजबूत दुर्ग बता रहे हैं। वहीं, भाजपा इसे ढहाने के लिए पूरी जोर आजमाइश कर रही है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल लगातार फूलपुर विधानसभा में आकर तमाम कार्यक्रमों में शिरकत भी कर रहे हैं। फूलपुर विधानसभा का उपचुनाव 15 दिसंबर 24 के पहले होना तय है। सपा के तमाम नेता इस सीट पर लगातार सक्रिय है। बीते लोकसभा चुनाव में प्रदेश में भाजपा को बड़ा झटका लगा था। ऐसे में भाजपा 10 सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल कर नुकसान की भरपाई करना चाहती है। इन 10 सीटों में प्रयागराज की फूलपुर सीट को लेकर पूरी ताकत झोंकी जा रही है। लोकसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी अमरनाथ मौर्य ने फूलपुर विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल को शिकस्त दी थी। 17 हजार से ज्यादा की लीड होने के बाद सपा इससे बेहतर प्रदर्शन उपचुनाव में करना चाह रही है। चर्चा है कि सपा भी इस सीट से कुर्मी प्रत्याशी को मैदान में उतार सकती है। सपा इसके पूर्व 2012 में भी यह सीट जीत चुकी है। 2002 के चुनाव में फूलपुर विधानसभा क्षेत्र का नाम झूंसी था। तब सपा प्रत्याशी विजमा यादव यहां से चुनाव जीती थी। इस बार सपा कुर्मी या यादव में से किसी को यहां से अपना प्रत्याशी बना सकती है। सपा मीडिया प्रभारी दान बहादुर का कहना है कि पार्टी जिसे भी अपना प्रत्याशी बनाएगी, उसकी जीत यहां सुनिश्चित है। कांग्रेस ने उपचुनाव में गठबंधन के तहत फूलपुर सीट के लिए अपनी दावेदारी तेज कर दी है। राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्वी जोन के प्रभारी ने बृहस्पतिवार को फिर बैठक कर चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने कांग्रेस से टिकट के लिए आवेदन करने वाले नेताओं से भी मुलाकात की। राजेश तिवारी ने 12 अगस्त को फूलपुर विधानसभा क्षेत्र में बैठक कर चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की थी। उस बैठक में स्पष्ट दावा किया था कि प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इनमें से पांच पर पूर्व में सपा के विधायक रहे हैं। इन सीटों को छोड़कर अन्य पांच सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी। उनका कहना था कि इनमें भी फूलपुर उनकी परंपरागत सीट है। इसलिए यह उनकी प्राथमिकता में है। इसी क्रम में फूलपुर विधानसभा क्षेत्र में ही बृहस्पतिवार को बैठककर उन्होंने इस दावेदारी को और मजबूत की। उन्होंने गंगापार जिला के पदाधिकारियों, मंडल एवं न्याय पंचायत स्तर के पदाधिकारियों संग बैठक में फिर इस दावेदारी को दोहराया और कार्यकर्ताओं से अभी से चुनाव की तैयारी में अभियान के तौर पर जुट जाने की अपील की। उन्होंने कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी भी तय की। कांग्रेस से टिकट के लिए कई नेताओं ने आवेदन भी कर दिया है। आवेदन करने वालों में गंगापार के अध्यक्ष सुरेश यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष मिश्रा, संजय तिवारी, जितेश मिश्रा, रईश अहमद, छोटेलाल पटेल, रामकिशुन पटेल, राजेश्वरी पटेल, एहतेशाम अहमद, संदीप रंजन आदि नाम शामिल हैं। राष्ट्रीय सचिव ने आवेदकों से अलग–अलग बात भी की। राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी ने अलग–अलग बैठकों में कार्यकर्ताओं से फूलपुर विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। फूलपुर विधानसभा के अंतर्गत अंदावा में हुई बैठक में उन्होंने वरिष्ठ नेताओं के अलावा गंगापार के पदाधिकारियों, मंडल एवं न्याय पंचायत स्तर के पदाधिकारियों संग बैठक में चुनाव की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर–घर जाकर संपर्क करने और जीत सुनिश्चित करने की अपील की। बैठक में चुनाव लड़ने के आवेदकों के अलावा प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी, विवेकानंद पाठक, हसीब अहमद, किशोर वार्ष्णेय, हरिकेश त्रिपाठी आदि शामिल रहे। राष्ट्रीय सचिव ने फूलपुर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले शहरी क्षेत्र झूंसी के वार्ड प्रभारियों के साथ भी अलग से बैठक की। उन्होंने उपचुनाव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। इससे पहले राष्ट्रीय सचिव एवं जोन प्रभारी का दायित्व फिर से मिलने पर कार्यकर्ताओं ने राजेश तिवारी का स्वागत भी किया। इस मौके पर मनीष मिश्रा, उज्जवल शुक्ला, विनय पांडेय आदि मौजूद रहे। राजेश तिवारी ने युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं संग भी सर्किट हाउस में वार्ता की तथा चुनाव की तैयारी में जुटने की अपील की। इससे कार्यकर्ताओं ने राजेश तिवारी का स्वागत किया। स्वागत करने वालों में जितेश मिश्रा, विकास, ओम प्रकाश, देवधार आदि मौजूद रहे। प्रयागराज। कांग्रेस के जिला एवं शहर इकाई में जल्द ही परिवर्तन होगा। प्रयागराज आए राजेश तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर नए सिरे से पार्टी का गठन किया गया है। इसी क्रम में अब प्रदेश तथा जिला एवं शहर इकाई का भी गठन किया जाएगा। राजेश तिवारी की इस घोषणा के बाद संगठन के महत्वपूर्ण पदों के लिए दावेदारी भी शुरू हो गई है।

## तीनों रेजिडेंट डॉक्टर दस दिन के लिए निलंबित, प्राचार्य को सौंपी गई तीनों की जाच रिपोर्ट

प्रयागराज। बांदा के तीमारदारों से मारपीट मामले में मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने तीनों आरोपी रेजिडेंट डॉक्टरों के खिलाफ जांच रिपोर्ट प्राचार्य डॉ.वत्सला मिश्रा को सौंप दी है। इसमें प्रॉक्टर डॉ.दिलीप चौरसिया ने तीनों को अनुशासनहीनता का दोषी पाया है। इसके लिए इन्हें तत्काल प्रभाव से 10 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। ऐसे में अब यह तीनों चिकित्सा सबंधित किसी प्रकार का कार्य दस दिन तक नहीं कर सकेंगे। इसके अलावा इनको प्रिंसिपल कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। बृहस्पतिवार को तीनों जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों ने अपना लिखित बयान प्रॉक्टोरियल बोर्ड को सौंप दिया था। वहीं, स्वरूप रानी अस्पताल के वार्ड 12 में मौजूद वार्ड बॉय और नर्स का भी बयान दर्ज किया गया था। इसमें पाया गया था कि मारपीट की शुरुआत पहले तीमारदारों ने की थी। इसके अलावा महिला रेजिडेंट डॉक्टरों के साथ तीमारदारों ने बदसलूकी भी की थी। वहीं, जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों के लिखित जवाब में भी तीमारदारों की ओर से पहले मारपीट की शुरुआत करने की बात कही गई थी। डॉ.दिलीप चौरसिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि मरीजों के तीमारदारों से पहले या फिर बाद में मारपीट करना गलत है। बदसलूकी करने वाले तीमारदारों को पुलिस के हवाले भी किया जा सकता था। जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों को कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए था। इस प्रकार का कृत्य अनुशासनहीनता को दर्शाता है। इसके लिए तीनों जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों को सजा के तौर पर 10 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया। तीमारदारों के साथ मारपीट करना ही गलत है। यह अनुशासनहीता को दर्शाता है। अगर कोई तीमारदार या फिर मरीज बदसलूकी और मारपीट करने की हरकत करता है तो उसे पुलिस के हवाले किया जाना चाहिए। इन तीनों डॉक्टरों को दस दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है।

## फर्जी आईबी अफसर बनकर जीएचएस में दाखिला कराने वाले शख्स को पुलिस ने दबोचा, वसूलता था लाखों रुपये

प्रयागराज। आईबी अफसर बनकर शहर के प्रतिष्ठित स्कूल गर्ल्स हाईस्कूल (जीएचएस) में एडमिशन कराने वाले शख्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सिविल लाइंस पुलिस ने यह गिरफ्तारी प्रिंसिपल के तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने के बाद की है। प्रिंसिपल ने पुलिस से शिकायत की थी कि आकाश त्रिपाठी नामक एक युवक स्कूल में बच्चों का एडमिशन कराने के नाम पर अभिभावकों से एक से डेढ़ लाख रुपये की वसूली करता है। वह खुद को आईबी अफसर बताकर विद्यालय के स्टाफ को दबाव में लेकर मनमाफिक दाखिला कराता है। उसके बारे में जब अधिकारियों से पता किया गया तो जानकारी मिली की आकाश त्रिपाठी नाम का कोई भी अधिकारी आईबी डिपार्टमेंट में नहीं है। पुलिस ने शिवकुटी थाना क्षेत्र के कैलाशपुरी कॉलोनी में रहने वाले आकाश को धर दबोचा। पूछताछ में उसने बताया कि वह पहले जीएचएस और फिर बीएचएस में बतौर कर्मचारी कार्य कर चुका है। उस समय दूसरे प्रिंसिपल थे। आकाश त्रिपाठी की मानें तो जीएचएस और बीएचएस में बतौर कर्मचारी कार्य कर चुका है। उसने कुछ दिन पहले उसन एडगर दान के खिलाफ धर्म परिवर्तन कराने का मुकदमा दर्ज कराने के लिए थाने में तहरीर दी थी। इसके बाद उसे फर्जी तरीके से फंसाने के लिए मनगढ़ंत तरीके से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

## बाजार से सामान लेकर लौट रही किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म, दो आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के एक गांव में बृहस्पतिवार को बाजार से सामान लेकर वापस घर लौट रही किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। हंडिया पुलिस ने आरोपी साकिब अंसारी व साहिल अंसारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की मां का आरोप है कि जब घटना की उलाहना देने आरोपियों के घर गई तो उन्होंने जान से मारने की धमकी देते हुए भगा दिया। लोक लाज के डर के कारण बेटी आत्महत्या करने के लिए घर से रात में ही भाग जाना चाहती थी। किसी तरह उसको समझा बुझा कर घर पर ही उसे रोक रखा। शुक्रवार को पीड़िता सहित उसकी मां ने हंडिया कोतवाली पहुंचकर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर आरोपी साकिब अंसारी व साहिल अंसारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी बृजकिशोर गौतम ने बताया कि पीड़िता को मेडिकल के लिए भेज दिया है।

## संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का प्रयागराज जंक्शन तक होगा विस्तार, कुंभ के दौरान छिवकी से होगी रवाना

प्रयागराज। यूपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का महाकुंभ के पहले प्रयागराज जंक्शन तक विस्तार हो जाएगा। हालांकि, कुंभ के दौरान इसे छिवकी से ही चलाया जाएगा। बाद में जंक्शन से शिफ्ट कर दी जाएगी। अभी इसका संचालन मानिकपुर से हजरत निजामुद्दीन स्टेशन तक हो रहा है। मानिकपुर से गाड़ी संख्या 12447 यूपी संपर्क क्रांति वर्तमान समय हर रोज शाम 6रू25 बजे चलकर अगले दिन सुबह 5रू22 बजे दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन पहुंच जाती है। इसका चित्रकूट, अत्तर्रा, बांदा जंक्शन, महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, वीरागंना लक्ष्मीबाई झांसी, आगरा कैंट एवं मथुरा जंक्शन पर ठहराव है। पिछले वर्ष ही यूपी संपर्क क्रांति के प्रयागराज तक विस्तार किए जाने का मुद्दा उठा था। इसे लेकर रेलवे बोर्ड स्तर तक में तैयारी पूरी हो गई है। प्रयागराज जंक्शन तक के विस्तार की घोषणा किसी भी दिन की जा सकती है। हजरत निजामुद्दीन से यूपी संपर्क क्रांति रात आठ बजे चलकर अगले दिन सुबह 7रू30 बजे मानिकपुर पहुंच जाती है। यह 11 घंटे मानिकपुर में ही खड़ी रहती है। मानिकपुर जंक्शन पहले उत्तर मध्य रेलवे झांसी मंडल के अधीन था, लेकिन अब यह प्रयागराज मंडल के अधीन है। इसी वजह से यूपी संपर्क क्रांति को प्रयागराज शिफ्ट करने की तैयारी चल रही है। महाकुंभ के पूर्व यह ट्रेन प्रयागराज से संचालित होने लगेगी। इससे बुंदेलखंड के तमाम जिलों से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। यूपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में कुल 22 कोच हैं। इसमें 15 कोच सिर्फ एसी श्रेणी के हैं। इसमें एसी थ्री के दस, एसी टू के चार एवं एसी फर्स्ट कम एसी टू के एक–एक कोच हैं।

इसके अलावा स्लीपर श्रेणी के दो, जनरल के तीन एवं एसएलआरडी और एलपीआर श्रेणी के एक–एक कोच हैं। यूपी संपर्क क्रांति को यहां से शाम 4रू30 बजे रवाना किया जा सकता है। प्रयागराज से मानिकपुर के बीच इसका शंकरगढ़ में ठहराव किए जाने की तैयारी है। मानिकपुर से निजामुद्दीन पहुंचने की समय सारिणी में अंतर नहीं होगा। वहीं, वापसी में संपर्क क्रांति सुबह 9रू30 बजे प्रयागराज आएगी। दिवाली और छठ पूजा के मौके पर ट्रेनों में यात्रियों की लंबी प्रतीक्षा सूची को देखते हुए रेलवे ने प्रयागराज से लोकमान्य तिलक के लिए सीधी ट्रेन चलाने का एलान किया है। पूजा स्पेशल ट्रेन की समय सारिणी रेलवे प्रशासन ने जारी कर दी है। इसका संचालन लोकमान्य तिलक से 29 अक्तूबर एवं पांच नवंबर 24, प्रयागराज से 30 अक्तूबर और छह नवंबर 24 को होगा। उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि लोकमान्य तिलक से 01045 दोपहर 12रू15 बजे चलकर कल्याण, नासिक, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, शंकरगढ़ रुकते हुए अगले दिन सुबह 11रू20 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंचेगी। यहां से गाड़ी संख्या 01046 की रवानगी शाम 6रू50 बजे होगी, जो अगले दिन शाम 4रू05 बजे लोकमान्य तिलक पहुंच जाएगी। स्पेशल ट्रेन में स्लीपर के आठ, एसी थ्री के दो, सामान्य श्रेणी के छह एवं एसएलआर श्रेणी के कुल दो कोच रहेंगे।

## महाकुंभ में 4.50 लाख कैंप को दिए जाएंगे बिजली कनेक्शन, 380.20 करोड़ का बनाया गया प्रोजेक्ट

प्रयागराज। महाकुंभ मेले को रोशन करने को लेकर विद्युत विभाग तैयारियों में जुट गया है। विभाग मेले में कुल 4.50 लाख कैंप को बिजली कनेक्शन देने का खाका खींचा है। इसके लिए मेला क्षेत्र में 85 बिजलीघर बनाया जाएगा। विद्युत विभाग ने कुल 380.20 करोड़ का प्रोजेक्ट बनाया है। इसे दो हिस्सों में बांट दिया गया है। पहला मेला क्षेत्र के लिए कुल 211.20 करोड़ और दूसरा शहर के लिए कुल 179 करोड़ का प्रोजेक्ट शामिल है। मेले क्षेत्र को रोशन करने के प्रोजेक्ट में बिजली घर, स्ट्रीट लाइट, ट्रांसफर, केबल आदि की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही बिजली की अधिक खपत होने पर भी खाका खींचा गया है। इसके अलावा प्रत्येक बिजली घर में हाई क्षमता वाले दो–दो ट्रांसफार्मरों की स्थापना की जाएगी। बताया गया कि एक अक्तूबर से शुरू होने वाले इस कार्य को महाकुंभ से पहले पूरा कर लिया जाएगा। इससे मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही साधु संत और संस्थाओं को विद्युत विभाग की तरफ से कनेक्शन से लेकर सभी प्रकार की सुविधाएं मिलेंगी। अधिकारियों के मुताबिक, महाकुंभ मेले में सप्लाई के लिए कुल 85 बिजली घर बनाए जाएंगे। इसके अलावा 67 हजार पोल के साथ स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। प्रति बिजली घर में हाई क्षमता वाले दो ट्रांसफार्मरों की स्थापना होगी। इतना ही नहीं पूरे मेला क्षेत्र में 400 केवी के 170 बस स्टेशन बनाए जाएंगे, यहां से पूरे मेले में बिजली सप्लाई होगी। वहीं, अखाड़ों में दी जाने वाली विद्युत सप्लाई के ट्रांसफार्मर अलग होंगे, प्रति अखाड़े में 250 केवी के एक ट्रांसफार्म की व्यवस्था रहेगी। बीते माघ मेला में सोलर एनर्जी का ट्रायल किया जा चुका है। उसकी सफलता को देखते हुए 2025 में भी इसका इस्तेमाल करने की तैयारी है। अधिकारियों का अनुमान है कि इस मेले में तकरीबन पांच करोड़ यूनिट तक बिजली की जरूरत पड़ेगी। यही नहीं मेला के दौरान इस्तेमाल होने वाली बिजली का बिल भी 20 करोड़ रुपये तक या उससे भी अधिक हो सकता है। इसके अलावा मेला क्षेत्र में बिजली की जरूरत को पूरा करने के लिए सोलर एनर्जी का भी सहारा लिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि मेला क्षेत्र में दुकान लगाने वाले लोग हीटर, ब्लोअर, गीजर, प्रेस, फ्रीज का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। अधिकारियों ने बताया कि मेले में सप्लाई के लिए 100 किलोवाट के 100 ट्रांसफॉर्मर लगाए जाएंगे। इसके साथ ही मेला क्षेत्र में बिजली सप्लाई के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 1700 किलोमीटर लंबी केबल बिछाई जाएगी। जिसमें 1400 किलोमीटर लंबी एलटी लाइन और 300 किलोमीटर लंबी एचटी लाइन केबल बिछाई जाएगी। इस मेले में तकरीबन 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसे देखते हुए 4.50 लाख कैंप को बिजली कनेक्शन देने का प्रोजेक्ट बनाया गया है। मेला क्षेत्र में एक अक्तूबर से काम शुरू हो जाएगा।

## शाही और पेशवाई शब्द हटाने के लिए संतों को पत्र भेजेगा अखाड़ा परिषद, बैठक में रखा जाएगा प्रस्ताव

प्रयागराज। मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव द्वारा उज्जैन में सावन के सोमवार को निकलने वाली शाही सवारी को राजसी सवारी कहे जाने के बाद अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने भी उर्दू शब्दों से परहेज करने का निर्णय लिया है। महाकुंभ को देखते हुए अखाड़ा परिषद ने तय किया है वह शाही और पेशवाई शब्द का विकल्प तय करेगा। इसके लिए परिषद की ओर से साधु संतों को पत्र भेजा जाएगा। अखाड़ा परिषद की ओर से इस संबंध में इसी माह प्रयागराज में एक बैठक भी आयोजित की जा रही है। दरअसल जब अखाड़े मेला क्षेत्र में प्रवेश करते हैं तो उसे पेशवाई कहा जाता है। इसके अलावा मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी के मौके पर जब अखाड़ों के संतों के साथ नागा साधु संगम स्नान के लिए जाते हैं तो उसे शाही स्नान कहा जाता है। बताया जाता है कि अकबर काल से ही पेशवाई और शाही शब्द का प्रयोग हो रहा है। अब महाकुंभ आने वाला है और इस बीच मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव द्वारा शाही सवारी को राजसी सवारी कहे जाने का अखाड़ा परिषद ने स्वागत किया है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने इन शब्दों को बदले जाने की बात कही है। कहा कि शाही और पेशवाई मुगलकालीन शब्द है। कहा कि निरंजनी अखाड़ा अपने यहां आने वाले संतों को पत्र लिखकर निर्देश दे रहा है कि महाकुंभ में शाही की जगह राजसी एवं पेशवाई की जगह छावनी प्रवेश जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाए। कहा कि इस माह प्रयागराज में भी अखाड़ा परिषद की बैठक होनी है। बैठक में शाही और पेशवाई शब्द बदलने के लिए प्रस्ताव पास किया जाएगा। कहा कि परिषद की बैठक में संस्कृत और हिंदी के और भी अच्छे शब्द आते हैं तो उसे स्वीकार किया जाएगा। परिषद की ओर से इस संबंध में मेला प्राधिकरण को भी पत्र भेजा जाएगा। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि सनातन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल सर्वमान्य है। अखाड़ा परिषद भी कुंभ स्नानों में किए जाने वाले शब्दों में जल्द परिवर्तन करेगा। क्योंकि, संस्कृत और हिंदी में शब्दों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने महाकाल के नाम पर निकलने वाली शोभायात्रा को परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। निश्चित तौर पर सनातन संस्कृति और इस सभ्यता के अनुरूप है। शाही, पेशवाई ऐसे शब्दों का न प्रयोग करते हुए अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की यह पहल होगी कि इस कुंभ में सनातन संस्कृति के अनुरूप नाम रखा जाएगा। यहां पर कोई शहंशाह नहीं है।

## नकली नोट छापने वाले मदरसे पर चलेगा बुलडोजर, पीडीए ने प्रबंधक को थमाया नोटिस

प्रयागराज। अतरसुइया स्थित जामिया हबीबिया मस्जिदे आजम मदरसा में नकली नोट छपने का भंडाफोड़ होने के बाद प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने एक बार फिर शिकंजा कसा है। शुक्रवार को पीडीए ने मदरसे के गेट पर नोटिस चस्पा कर प्रबंधक से पूछा कि क्यों न मदरसे को गिराने का आदेश दिया जाए।

इसका जवाब देने के लिए 18 सितंबर सुबह 11 बजे तक समय दिया गया है। बीते 28 अगस्त को सिविल लाइंस थाना पुलिस ने नकली नोट छापने के मामले में उक्त मदरसे के मौलवी तफसीरूल समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस जांच में यहां पर विवादास्पद किताब बरामद हुई थी। इसके बाद पीडीए ने भी मदरसे पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था। शुक्रवार को मदरसे के गेट पर चस्पा नोटिस में कहा गया है कि लगभग तीन हजार वर्ग मीटर के कंपाउंड के भूतल प्रथल तल पर मदरसा एवं कमरों का निर्माण किया गया है। अतएव आपसे यह अपेक्षा की जाती है कि पीडीए कार्यालय में 18 सितंबर सुबह 11 बजे तक यह बताएं कि निर्माण कंस्ट्रक्शन गिरा देने का आदेश क्यों न दिया जाए। अधिनियम की धारा 14 के तहत पीडीए के अनुमति के बिना निर्माण करने के लिए 50 हजार रुपये तक अर्थदंड के भागी हो सकते हैं। ऐसा अपराध करने की दशा में दोष सिद्ध होने पर 2500 रुपये तक प्रत्येक दिन के लिए अतिरिक्त जुर्माना हो सकता है। बता दें कि बीते बुधवार को पीडीए की टीम ने निर्माण अनाधिकृत होने का दावा कर मदरसे को सील कर दिया था। साथ ही चस्पा नोटिस में कहा था कि जबरन प्रवेश करने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस मदरसे के तीन बैंक खाते को फ्रीज कर दिया था।

## हाईकोर्ट पहुंचे बुजुर्ग की मांग... दूसरी शादी के बाद भी न बंद हो पारिवारिक पेंशन

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट से प्रयागराज के 60 वर्षीय बुजुर्ग ने दूसरी शादी के बाद भी पारिवारिक पेंशन जारी रखने की गुहार लगाई है। कहा कि पत्नी की मौत के बाद यही उसका एक मात्र सहारा है। लेकिन, पुनर्विवाह सेहत की देखरेख के लिए बेहद जरूरी है। यह दलील देकर प्रदेश सरकार की ओर से तीन दिसंबर 2012 को जारी शासनादेश की वैधानिकता को चुनौती दी है। वहीं, अदालत मौजूदा प्रावधान की स्पष्टता पर विचार कर रही है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति डी.रमेश की खंडपीठ कर रही है। कोर्ट में प्रयागराज निवासी कमरूल इस्लाम सिद्दीकी ने अपने स्वास्थ्य व तन्हाई का हवाला देते हुए पुनर्विवाह करने की इच्छा जताई है। याची की ओर से अधिवक्ता तनीषा जहांगीर मुनीर दलील पेश कर रही हैं। कमरूल की पत्नी मेहर दरख्शां सिद्दीकी करछना ब्लॉक के प्राइमरी स्कूल में प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात थीं, जिनकी 2018 में मृत्यु हो गई। बेटी हुजैफा नफीस, असमियां नफीस और उन्हें आश्रित घोषित किया गया। इसके बाद बेटी हुजैफा नफीस को मां की जगह नौकरी मिल गई। जबकि, याची को पारिवारिक पेंशन मिलने लगी। बेटियां शादी के बाद ससुराल चली गईं। वहीं, कोरोना काल से बीमार चल रहे वह अब घर में अकेले बचे हैं। कमरूल किडनी के संक्रमण से पीड़ित हैं। ऐसे में उन्हें देखभाल की सख्त जरूरत है। लिहाजा, वह पुनर्विवाह करना चाहते है। लेकिन, पारिवारिक पेंशन के खात्मे का प्रावधान बाधक है। पुनर्विवाह करते ही पेंशन बंद हो जाएगी। याची की वकील तनीषा जहांगीर मुनीर की दलील है कि जीवन साथी की मृत्यु के बाद पारिवारिक पेंशन की तरह ही जीवन जीने के लिए पुनर्विवाह भी मौलिक अधिकार है। लिहाजा, पारिवारिक पेंशन को पुनर्विवाह तक सीमित रखना व उसके बाद छीन लेना मौलिक अधिकार का हनन है। इसे असंवैधानिक घोषित किया जाना चाहिए। कोर्ट ने मामले को लेकर प्रदेश सरकार और विभागीय वकीलों से शासनादेशों का अध्ययन कर विधिक स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया था। इस पर विभागीय वकील ने 31 मार्च 1982 और 23 अगस्त 2017 को जारी शासनादेश का हवाला दिया है। कोर्ट ने शासनादेशों के गहन अध्ययन लिए सभी पक्षों के वकीलों को मोहलत देते हुए मामले की सुनवाई 18 सितंबर को नियत की है।

## अब महाकुंभ के मेले में नहीं भटकेंगे श्रद्धालु, गूगल बताएगा रास्ता

प्रयागराज। विश्व के सबसे बड़े मेले महाकुंभ में लोगों को भटकने से गूगल बचाएगा। पहली बार मेले के प्रत्येक मुख्य मार्ग, गाटा मार्ग, शिविर और घाटों की गूगल मैपिंग होगी। इसके सहारे श्रद्धालु आसानी से अपने कैंप या मनचाहे मार्ग पर पहुंच सकते हैं। मेला प्राधिकरण और गूगल इंडिया के अफसरों से वार्ता हो चुकी है। मेला बसावट के साथ ही गूगल मैपिंग का काम शुरू हो जाएगा। इस बार श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए सभी तरह के इंतजाम किए जा रहे हैं। मेला 4,000 हेक्टेयर में बसाया जाएगा। इतने बड़े क्षेत्र में पहले कभी नहीं बसाया गया था। मेला को 25 सेक्टर में बांटा जाएगा और 30 पांटून पुल बनाए जाएंगे। 2019 का कुंभ 3,000 हेक्टेयर में बसाया गया था। हर बार मेले में श्रद्धालुओं के साथ यह समस्या होती थी कि वह संगम स्नान के बाद कैंप लौटते समय भटक जाते थे। संतों और गुरुओं के शिविर तक पहुंचने में मशक्कत करनी पड़ती थी। 45 दिन के इस मेले में 40 करोड़ लोगों के आने की संभावना है। श्रद्धालुओं की समस्या को देखते हुए मेला प्राधिकरण ने गूगल इंडिया की टीम से बात की। मेले के मार्गों, शिविरों आदि की मैपिंग करने के लिए गूगल तैयार हो गया। मेला बसावट की तैयारी शुरू होने के साथ ही गूगल टीम अपना काम शुरू कर देगी। वह हर सप्ताह इसे अपडेट करते रहेंगे। मेला एडीएम दयानंद प्रसाद ने बताया कि महाकुंभ में तकनीक का प्रयोग करते हुए श्रद्धालुओं का आवागमन सुगम बनाया जाएगा। मेला क्षेत्र में गूगल मैप का प्रयोग आसानी से किया जा सके। इसके लिए संचार एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के निर्देश के बाद बीएसएनएल ने 190 टावर लगाने की तैयारी कर ली है।

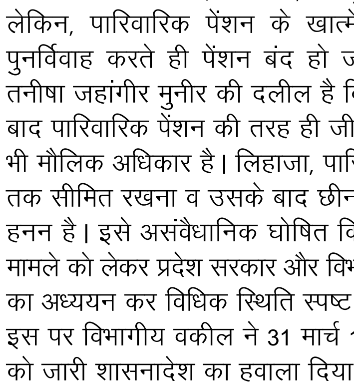

# शोध परियोजना प्रस्ताव हेतु रज्जू विवि के डॉ. प्रशान्त शांडिल्य चयनित

प्रयागराज। भारतीय सामाजिक अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली Vision Viksit Bharat /2047 के योजना

अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय और जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय तथा प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग प्रो० राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय नैनी प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में Project proposal& Deciphering Ancient Wisdom:EÚtracting Best Practices from the Janapada System for Contemporary Governance- परियोजना प्रस्ताव के बारे में जनपद प्रणाली का गहन अध्ययन, जो प्राचीन भारत में संगठित जटिल राजनीतिक इकाइयों का सबसे प्रारंभिक रूप है।अध्ययन समकालीन शासन चुनौतियों को संबोधित करने के लिए प्राचीन शासन मॉडल की नकल करने की व्यवहार्यता का आकलन करता है। स्वदेशी शासन प्रथाओं पर पुनर्विचार करके, शोध का उद्देश्य शासन का एक भारतीय मॉडल प्रस्तावित करना है जो जैविक और सतत विकास को बढ़ावा देता है। शोध प्राचीन प्रथाओं और आधुनिक आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटने की आकांक्षा रखता है, जो इस बात की गहरी समझ को बढ़ावा देता है कि प्राचीन शासन मॉडल समकालीन शासन को कैसे बढ़ा सकते हैं। इस प्रस्तावित अध्ययन का महत्व प्राचीन ज्ञान और आधुनिक शासन आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटना इसकी क्षमता में निहित है। जनपदों का पर्याप्त विस्तार से अध्ययन नहीं किया गया है, खासकर शासन, पर्यावरण प्रबंधन और सामाजिक संगठन में उनके सर्वोत्तम अभ्यासों के संदर्भ में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अध्ययन का महत्व है। इस अध्ययन का महत्व स्वदेशी प्रथाओं से प्राप्त समकालीन नीति समाधान प्रदान करने की इसकी क्षमता को विकसित करना है, जिससे सतत विकास, सामाजिक सद्भाव और प्रभावी शासन को बढ़ावा दिया जा सके। प्राचीन मॉडल ने सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय आयामों की परस्पर संबद्धता को मान्यता दी, जो आधुनिक सतत विकास लक्ष्यों के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। प्राचीन भारतीय शासन प्रणालियों ने अक्सर सामाजिक सद्भाव और संसाधनों के उचित वितरण पर जोर दिया, जो सिद्धांत आज सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने और सामाजिक असमानताओं को कम करने के लिए आवश्यक हैं। जनपद प्रणाली का व्यापक अध्ययन शासन प्रथाओं का विश्लेषण पर्यावरण और पारिस्थितिकी प्रबंधान समकालीन मुद्दों के समाधान नागरिक समाज की भूमिका नारीवादी दृष्टिकोण राजा, परिषद और कानून का शासन स्वदेशी शासन प्रथाओं को पुनर्जीवित करना भारत के आधुनिक राष्ट्र के रूप में विकास में योगदान दे सकता है। विशिष्ट जनपदों के विस्तृत केस स्टडीज का संचालन करें ताकि उनकी अनूठी प्रथाओं और योगदानों को दर्शाया जा सके। छोटे और कम–ज्ञात जनपदों को हाइलाइट करें जिन्होंने प्रभावी शासन मॉडल लागू किया है। अन्वेषण करना है कि जनपद काल की शुरुआती प्रथाओं ने बाद के राजनीतिक विकास को कैसे प्रभावित किया और आधुनिक शासन के लिए उनकी प्रासंगिकता क्या है। जनपद प्रणाली की सूक्ष्म समझ सुनिश्चित करते हुए निष्कर्षों को व्यापक तरीके से दस्तावेजित और विश्लेषित करना है। भारत सरकार द्वारा 35 लाख की शोधा राशि स्वीकृत हुई है। इस शोध परियोजना कार्य में डॉ० स्वादेश सिंह, डॉ० प्रशान्त शान्डिल्य, डॉ० उमा आर्य, डॉ०अरुण कुमार, डॉ० देवीदयाल गौतम शोधकार्य पूर्ण करेंगे द्य डॉ.प्रशांत शांडिल्य वर्तमान में प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, प्रो.राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय नैनी प्रयागराज में सहायक आचार्य हैं। इस उपलब्धि पर डॉ.देवकी नन्दन मिश्र, डॉ. अखण्ड प्रताप पाल, डॉ. नारायण दत्त तिवारी, डॉ.मनोज यादव, डॉ.पीयूष मिश्र आदि शिक्षकगणों ने बधाई दी है।

## अब इंटर तक हो जाएंगे कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बजट मिला, स्टाफ की होगी भर्ती

लखनऊ,(एजेंसी)। अगले वर्ष मार्च तक प्रदेश के 9 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में भी इंटर तक की पढ़ाई शुरू होगी। वर्तमान में 9 केजीबीवी में 8वीं कक्षा तक ही पढ़ाई हो रही है। शिक्षा विभाग की ओर से भेजे गये प्रस्ताव को वित्त ने मंजूरी प्रदान कर दी है। विभाग ने 710 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा था जिसे स्वीकृति मिल गई है। राज्य सरकार ने वर्ष 25 के अन्त तक प्रदेश के सभी कस्तूरबा विद्यालयों को 12 वीं तक उच्चीकृत करने का लक्ष्य रखा है।प्रदेश में 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय केजीबीवी हैं, जिनमें से 437 केजीबीवी बीते मई तक 12 वीं कक्षा तक उच्चीकृ

त किए जा चुके हैं, शेष केजीबीवी के उच्चीकरण के लिए धन की कमी आड़े आ रही थी, दूर हो गई है।बताया जाता है कि वित्त से स्वीकृति के बाद उच्चीकृत किए जाने वाले 9 केजीबीवी में अब नए सत्र अप्रैल 25 में 12वीं तक की पढ़ाई शुरू कराने की तैयारी है।सूत्रों के मुताबिक उच्चीकरण की मंजूरी के साथ प्रस्तावित केजीबीवी के लिए शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों की भर्ती शुरू होगी।विभाग ने जिलों में सीडीओ की अध्यक्षता में छह सदस्यीय समिति बनाई है, जो प्रधानाचार्या से लेकर विभिन्न विषयों के शिक्षकों के साथ–साथ शिक्षणेत्तर स्टाफ की भर्ती करेगी।नियुक्तियां संविदा पर 11 माह 29 दिनों के लिए होगी। कार्यरत शिक्षिकाओं का व्यवहार संतोषजनक पाये जाने पर आगामी सत्र के लिए डीएम के अनुमोदन के बाद नवीन सेवा अनुबन्ध किया जाएगा। प्रत्येक वर्ष नया सेवा अनुबन्ध किया जाएगा। शिक्षिकाओं का कार्य एवं व्यवहार का वार्षिक मूल्यांकन खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा किया जाएगा। प्रतिवर्ष शिक्षिकाओं से नई संविदा के लिए अनुबंध पत्र भराया जायगा। समग्र शिक्षा के तहत संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के लिए प्रधानाचार्या से लेकर अलग–अलग विषयों के शिक्षक, लैब असिस्टेंट, कार्यालय अधीक्षक, स्टोर कीपर, केयर टेकर, चपरासी, चौकीदार तथा रसोइए के पदों पर नियुक्तियां होनी है।

# जमुन का पेड़ नाटक का सफल मंचन

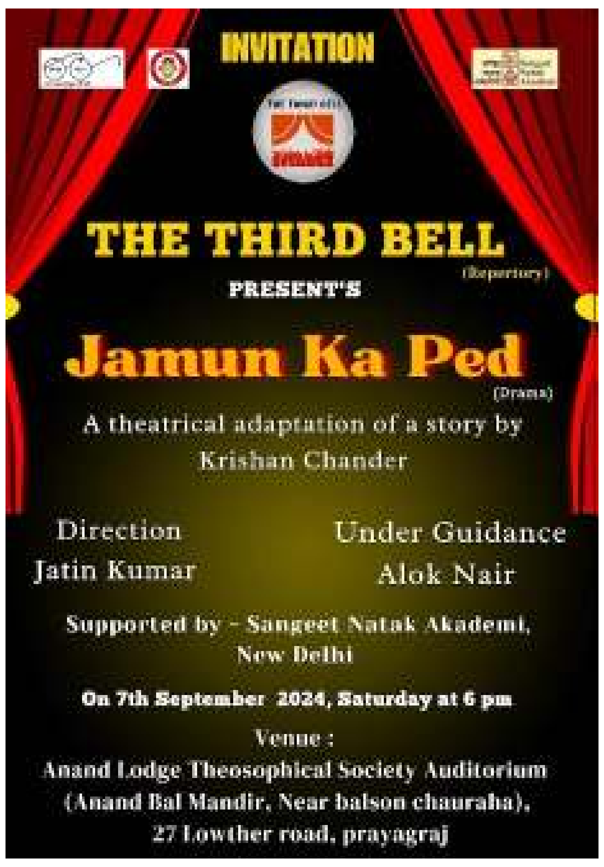


प्रयागराज। शनिवार को संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से एवं संस्था द थर्ड बेल रेपर्टरीष्द्वारा प्रस्तुत नाटक जामुन का पेड का नाट्य मंचन आनंद लॉज थियोसोफिकल सोसाइटी 27, लाउदर रोड, बालसन चौराहे के पास ,प्रयागराज के प्रेक्षागृह में शाम 6.00 बजे मंचित किया गया। ये नाटक कृशन चंदर की प्रसिद्ध कहानी श्जामुन का पेड़श पर आधारित है तथा इस नाटक के निर्देशक वरिष्ठ रंगकर्मी जतिन कुमार हैं एवं मार्गदर्शन वरिष्ठ रंग निर्देशक आलोक नायर का रहा। नाटक की अवधि लगभग 1 घंटे 15 मिनट है। श्जामुन का पेड़श कृशन चंदर की एक प्रसिद्ध हास्य व्यंग्य कथा है।कहानी सरकारी दफ्तरों की लंबी और विवेक हीन कार्य प्रणाली की ओर बड़े ही व्यंग्यात्मक तरीके से प्रहार करतीं है। एक जामुन का पेड़ आंधी में गिर जाता है और उसकी चपेट में एक कवि आ जाता है. . प्रशासन तक खबर पहुंचती है..इसके बाद प्रशासन जुट जाता है कि कैसे इस श्जामुन के पेड़श के मामले को दूसरे से तीसरे विभाग में टाला जाय। अंततः इसी सरकारी दांवपेंच में उस दबे हुए आदमी (कवि) की मौत हो जाती है...और इस व्यवस्था के संवेदन हीन और अमानवीय हो जाने के स्तर की ओर ये नाटक इंगित करता है. .. कलाकारों में कुमुद कनौजिया, चंकी बच्चन,विपिन गौर, हर्षित केसरवानी, विनय त्रिपाठी,मनीष कपूर,जतिन कुमार, हर्षिता, निमिष,नीरज मिश्रा,हेमन्त सिंह,रवि पटेल ने अपनी अपनी भूमिकाओं के साथ न्याय किया। प्रस्तुति नियंत्रक हर्षित केसरवानी रहे और मंच निर्माण प्रणय कुशवाहा,नीरज मिश्रा का रहा, वस्त्र विन्यास मनीष कपूर ने किया एवं संगीत सत्यम सिंह राजपूत ने संचालित किया। संचालन रंग निर्देशिका ऋतिका अवस्थी का रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे वरिष्ठ लोकनाट्य विद अतुल यदुवंशी रहे तथा इस मंचन के अवसर पर डॉ आर. के. जायसवाल,वरिष्ठ रंग निर्देशिका सुषमा शर्मा ,श्लेष गौतम, आनंद कक्कड़, चित्रकार रवींद्र कुशवाहा, वरिष्ठ अभिनेत्री मीना उरांव, सुशील राय,राकेश वर्मा, रमा मोन्ट्रोस,अतुल कुशवाहा और नाजिम अंसारी सहित शहर के तमाम सुधी दर्शक गण, बुद्धिजीवी और रंगकर्मी उपस्थित रहे।

### वृक्ष–कलश यात्रा निकाल कर दिया जलवायु संरक्षण का संदेश

# पौधरोपण और पौध वितरण के साथ शुरू हुआ श्री गणेश उत्सव का कार्यक्रम

प्रतापगढ़। आज गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर मान्धाता ब्लॉक के मदरा भावलपुर गांव में जन समुदाय के सहयोग से आयोजित श्री गणेश उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी के नेतृत्व में पैधारोपण एवं फलदार पौधों का वितरण कर कलश और वृक्ष के साथ वृक्ष कलश यात्रा के साथ हुआ।श्रद्धालु अपने हाथ में पौधा और कलश लेकर लोगों को जलवायु संरक्षण के लिए जागरूक कर रहे थे।लोगों को बता रहे थे कि वृक्ष है तो जीवन है,तब धरती पर सब धन है।इसके साथ ही गणपति बप्पा की जयकार के साथ प्रकृति धर्म निभाने का आह्वाहन किया गया।वृक्ष कलश यात्रा का समापन कथा व्यास आचार्य अंकित जी महराज और पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी और श्रद्धालुओं ने अमरूद और नीम के पौधों का रोपण कर किया।इस अवसर पर जाने माने पर्यावरणविद अजय क्रांतिकारी ने कहा कि पेड़ों के बिना जीवन का कोई विकल्प नहीं है।बढ़ते वैश्विक तापमान को कम करके ही धरती पर जीवन को बचाया जा सकता है जिसके लिए पौधा लगाने के साथ ही हरे वृक्षों को कटने बचाना होगा।तभी हमारी प्रकृति प्रसन्न होगी और आयुष्मान होने का आशीष मिल सकता है। कार्यक्रम संयोजक और राष्ट्रीय स्तर के कथा व्यास आचार्य अंकित जी महराज ने कहा कि प्रकृति धर्म का पालन करना ही सभी धर्मो का मर्म है।हमें अपने जीवन के साथ ही पीढ़ियों को बचाने हेतु धरती पर हरियाली को बढ़ाना होगा।उन्होंने बताया कि आज से 14 सितंबर 2024 तक सात दिवसीय श्रीराम कथा और गणेश पूजन का अनुष्ठान किया गया है।इस मौके पर आचार्य अंकित जी महराज ,अवनीश मिश्रा, डा. राम सुंदर प्रजापति, हरि मंगल सिंह,राम जी तिवारी अजय मिश्रा, तीरथराज तिवारी, मोनू तिवारी निलेश तिवारी ,चंद्र प्रकाश पांडे एवं समस्त क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

## बंद होनी चाहिए बुलडोजर संस्कृति : अजय राय

### वाराणसी पहुंचे अजय राय,की मां कुष्मांडा की पूजा

लखनऊ,(एजेंसी)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पहुंचे वाराणसी और मां कुष्मांडा के वार्षिक श्रृंगार समारोह में शामिल हुए। कन्या पूजन कर मां कुष्मांडा का आशीर्वाद प्राप्त किया। अजय राय ने न केवल धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया बल्कि वे पूड़ी छानते हुए और लोगों को खाना खिलाते नजर आए। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने रेप की घटनाओं पर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा।उन्होंने कहा कि देश में रेप की घटनाएं

होना घृणित मानसिकता का परिणाम है। भाजपा सरकार घृणित मानसिकता वाले लोगों को प्रोत्साहित कर रही है। काशी में जिन नर–पिशाचों ने बीएचयू में बलात्कार की घटना को अंजाम दिया था, भाजपा ने उनका स्वागत किया था। गुजरात में भी इस तरह की घटना सामने आई थीं। बलात्कार जैसी घटना करने वाले नर–पिशाचों को फांसी पर लटकाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के पूरे देश में एनआरसी लागू करने के बयान पर कहा कि ये लोग हिंदू–मुसलमान के बंटवारे की बात करते हैं, देश की बात नहीं करते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिंगापुर दौरे पर कहा कि प्रधानमंत्री क्योटो गए थे और बनारस को क्योटो बनाने की बात कही थी,अब सिंगापुर बनाने की बात कर रहे हैं। ये लोग केवल सपने दिखाते हैं।अपर्णा यादव को लेकर अजय राय ने कहा कि वह अपने परिवार की नहीं हो पाईं, तो भाजपा की क्या होंगी। प्रदेश में बुलडोजर एक्शन को लेकर अजय राय ने कहा कि बुलडोजर की संस्कृति को बंद किया जाना चाहिए। देश में प्यार, मोहब्बत और भाईचारा चलना चाहिए। भाजपा ने बुलडोजर चलाकर तोड़ने का काम किया है, कांग्रेस के लोग जोड़ने का काम करेंगे।

# दुबग्गा की हॉस्पिटल मण्डी में पनप रहा वसूली का भयंकर रोग

लखनऊ,(एजेंसी)। हरदोई मार्ग स्थित दुबग्गा में लखनऊ की सबसे बड़ी सब्जी मंडी होने के साथ साथ अस्पतालों की भी बड़ी मंडी है जो अधिकांश चर्चा में बनी रहती है। दुबग्गा की हॉस्पिटल मंडी में सुदूर जनपदों से मरीज इलाज के लिए लाए जाते हैं और गाहे–बगाहे गलत इलाज कर देने की सूचनाएं भी मिलती रहती है। लेकिन इन सब बातों के बावजूद कुछ बात तो जरूर है जो मरीजों को बड़ी संख्या में दुबग्गा आने के लिए मजबूर करती है। पिछले कई दिनों से कुछ समाचार पत्रों और यूट्यूब चौनल पर यह खबर सिलसिलेवार छाप कर पीडीएफ के माध्यम से आम लोगों में प्रसारित की जा रही है कि दुबग्गा में ये ये अस्पताल फर्जी चल रहे हैं, इन अस्पतालों में डॉक्टर नहीं है या ये अस्पताल मानक पूरे नहीं कर रहे हैं। लगातार पीडीएफ प्रकाशित होने से घबराए प्राइवेट नर्सिंग होम वाले लखनऊ सीएमओ ऑफिस पहुंचे और अपनी शिकायत बताई। इस खबर में दुबग्गा की हॉस्पिटल मंडी को लेकर खास पड़ताल की और जो सच का काला चिट्ठा हमारे सामने आया वो हम आपको दिखा रहे हैं। कुछ निजी अस्पतालों से इस खबर के बारे में जानकारी ली जिनका नाम इन खबरों में आ रहा था और फिर सीएमओ ऑफिस लखनऊ में नर्सरी होम के नोडल अधिकारी डिप्टी सीएमओ डॉ एपी सिंह से इस बाबत दरियाफ्त की है। इस पूरी पड़ताल में यह सच सामने आया कि खबरों में प्रकाशित ज्यादातर अस्पताल रजिस्टर्ड है और लखनऊ सीएमओ ऑफिस ने उन्हें परमीशन दी है। कोई भी और कैसा भी अस्पताल अपने मरीज की खैरियत हर हाल में चाहता ही है। दूसरे दुबग्गा में अस्पतालों की मंडी होने का सीधा लाभ मरीजों को मिलता है क्योंकि कॉम्पीटिशन के कारण अस्पताल इलाज का कम से कम पैसा चार्ज करते हैं और इस आशा में रहते हैं कि ठीक हुआ मरीज दूसरे मरीजों को इस अस्पताल भेजेगा। इसके अलावा सीएमओ लखनऊ की टीम बराबर ऐसे मामलों पर नजर रखती है और अवैध हॉस्पिटल या गलत इलाज की सूचना पर उचित कार्यवाही की जाती है। नए रजिस्ट्रेशन नियम के अनुसार किसी भी अस्पताल के डॉक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, फायर एनओसी, पॉल्यूशन आदि का एफीडेविट लिया जाता है और आधार कार्ड नम्बर लिंक मोबाइल पर ओटीपी आती है। ऐसे में बिना जांच पड़ताल के भ्रामक खबरें प्रकाशित करना वसूली या जबरन डर का माहौल बनाने की कोशिश करने का संदेह पैदा करती है। इन पीडीएफ वाली खबरों में एक तरफ अस्पतालों को बारी बारी से अवैध बताया जा रहा है और दूसरी तरफ सीएमओ लखनऊ को इसका जिम्मेदार लिखा जा रहा है।

# संक्षिप्त समाचार

## सहाबाक्राम पवित्र जमाअत पूरे विश्व के लिए प्रेरणा : मो. मुश्ताक़

लखनऊ,(एजेंसी)। दारूल उलूम फरंगी महल में माह रबी उल अव्वल के अवसर पर आयोजित होने वाले 12 दिवसयी ''जलसा सीरतुन्नबी सल्ल0, सीरत–ए–सहाबा व तहफ्फुजे शरीअत'' के तीसरे जलसे का आयोजन किया गया। जलसे का आरम्भ क़ारी मो0 तनवीर आलम की तिलावत कलाम पाक से हुआ। नात पाक दारूल उलूम फरंगी महल के विद्यार्थी मुहम्मद हुजैफा ने पेश किया। जलसे का संचालन मौलाना हारून निजामी ने किया। इस अवसर पर मौलाना मो0 मुश्ताक़ अध्यक्ष ऑल इण्डिया सुन्नी बोर्ड ने अपने सम्बोधन में कहा कि नबी पाक सल्ल0 की जिन्दगी तमाम इंसानों के लिए मार्ग दर्शक है, वह सारे जहाँ के लिए रहमत बनाकर भेजे गए। उन्होंने पूरी दुनिया को तौहीद व रिसालत और अमन व सलामती का पैग़ाम दिया। सहाबाक्राम की जमाअत इस्लाम से पहले जिहालत व गुमराही की जिन्दगी गुजार रही थी। आप सल्ल0 के फैज से वह दुनिया की एक काबिल–ए–तकलीद जमाअत बन गयी। मौलाना ने कहा कि हम सब आप सल्ल0 की उम्मत हैं और हम को आप की निसबत पर फखर है। हम आप की शान में किसी भी तरह की बे अदबी और गुस्ताखी गवारा नही कर सकते। हम हुजूर सल्ल0 और हुजूर सल्ल0 के सहाबा से इश्क व मुहब्बत रखते हैं और यही एक मोमिन की पहचान है। उन्होंने कहा कि आज जरूरत इस बात की है हम अपनी जिन्दगी गुजारने का तरीक़ा बदलें और रसूल पाक सल्ल0 के मार्ग दर्शक की रौशनी में अपनी जिन्दगी गुजारें। आज पूरी दुनिया एक बार फिर गुमराही में डूबी हुई है। भ्रष्टाचार और बेहयाई फैली हुई है। हर शख्स अपने फायदे के पीछे भाग रहा है। हम सब मिल कर वादा करें कि अपनी जिन्दगी रसूल पाक के बताये हुए तरीके पर गुजारेगें। जलसे का अन्त मौलाना मो0 मुश्ताक़ की दुआ पर हुआ। इस अवसर पर दारूल उलूम के अध्यापकों मौलाना अजहरूद्दीन, मौलाना अतीकुर्रहमान, कारी हारून, कारी कमरूद्दीन, कारी तनवीर आलम, कारी अब्दुल मुगीस, कारी मो0 शमीम, कारी मो0 इरशाद और विधार्थी उपस्थित थे।

## मंगेश यादव पुलिस एनकाउंटर की होगी मजिस्ट्रेट जांच, अखिलेश ने उठाया था सवाल

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर के ज्वैलर्स डकैती कांड के आरोपी मंगेश यादव के पुलिस एनकाउंटर की मजिस्ट्रेट जांच की जाएगी। जांच एसडीएम लंभुआ विदुषी सिंह करेंगी। पुलिस और प्रशासन ने इस एनकाउंटर को न्यायसंगत और कानून सम्मत बताया है, लेकिन विपक्षी दलों द्वारा इसपर सवाल उठाए गए हैं।इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील डॉक्टर गजेंद्र सिंह यादव ने इस पुलिस एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में केस दर्ज कराया है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी एनकाउंटर पर सवाल खड़े किए हैं। अखिलेश यादव ने कहा था कि मंगेश की जाति देखकर उसे सटाकर गोली मारी गई थी।उन्होंने सोशल मीडिया पर बयान देते हुए लिखा, दो दिन पहले जिसको उठाया और एनकाउंटर के नाम पर बंदूक सटाकर गोली मारकर हत्या की गई। अब उसकी मेडिकल रिपोर्ट को बदलवाने का दबाव डाला जा रहा है। इस संगीन शासनीय अपराध का सर्वोच्च न्यायालय तुरंत संज्ञान ले, इससे पहले की ये सबूत मिटा दिए जाएं। अखिलेश यादव मंगेश यादव मामले को लेकर यूपी सरकार और एसटीफ पर आरोप लगा रहे हैं कि फर्जी तरीके से मंगेश यादव को गोली मारी गई। 6 सितंबर को समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल जौनपुर मंगेश यादव के घर पहुंचा था। सपा नेता ने मंगेश के परिवार को सांत्वना दिया। 28 अगस्त को सुल्तानपुर शहर के ठठेरी बाजार में भरतजी सर्राफा के यहां दिनदहाड़े करोड़ों की लूट हुई थी। इस लूटकांड में शामिल जौनपुर के बदमाश मंगेश यादव को एसटीएफ ने गुरुवार की सुबह एनकाउंटर में मार गिराया था। तीन बदमाशों सचिन सिंह, गोविंद सिंह और त्रिभुवन उर्फ लाला को एनकाउंटर के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। गिरोह के सरगना विपिन सिंह ने रायबरेली कोर्ट में गैंगस्टर मामले में सरेंडर कर दिया था।

## जैन समाज का दसलक्षण पर्व आज से

लखनऊ,(एजेंसी)। राजधानी में दिगम्बर जैन समाज के दस दिवसीय दसलक्षण पर्व 8 सितंबर से प्रारंभ हो रहे हैं। जैन मंदिरों मे पर्वाधिराज के स्वागत की तैयारी बहुत जोर शोर से चल रहीं हैं। आज प्रातः इंदिरा नगर स्थित 1008 भगवान महावीर जैन मंदिर मे विराजमान सभी मूर्तियों का मंजन (साफ सफाई का कार्य) बड़े ही जोश के साथ किया गया। सभी भक्तों ने भजनों को गाते हुए मूर्तियों की साफ सफाई मे लगे हुए थे। छोटे छोटे बच्चों के द्वारा भी इस कार्य मे बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया गया। जैन समाज के मंत्री अभिषेक जैन ने बताया कि दस दिनों तक चलने वाले इस पर्व मे जैन समाज के सभी लोग कुछ न कुछ त्याग अवश्य करते हैं। जीवन को संस्कारवान बनाने के लिए ये 10 दिन व्यक्ति के जीवन मे अत्यंत लाभकारी होते हैं। सभी जैन इन दिनों मे नियम संयम का पालन करते हैं। श्री जैन ने यह भी बताया की जहां एक ओर व्यक्ति अपने शरीर को डीटऑक्स कराने के लिए हजारों लाखों खर्च करते हैं वहीं जैन धर्म के पालन करने से व्रत उपवास करने से बिना किसी खर्च के आप अपने शरीर को डीटऑक्स कर सकते हैं। क्षमा से प्रारभ को कर क्षमा पर ही समाप्त होने वाले इस पर्व को जैन समाज बहुत उत्साहित है एवं आपने आराध्य देव शास्त्र एवं गुरु के प्रति अपनी सच्ची श्रद्धा समर्पित करने को तत्पर है।

## कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी का अमित शाह से सवाल, क्यों छीना पूर्ण राज्य का दर्जा?

लखनऊ,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सवाल किया कि जम्मू–कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देना ही है, तो छीना क्यों? पूर्ण राज्य का दर्जा छीनने से घाटी की आर्थिक व्यवस्था पंगु हो चुकी है। कांग्रेस नेता ने कहा राज्य का दर्जा दिए बगैर क्यों चुनाव करा रहे हैं? आपकी न नीयत स्पष्ट है, न ही नीति। वहां निर्वाचित सरकार भी कठपुतली ही होगी। उसके पास कोई शक्ति नहीं होगी। हम दिल्ली और पुडुचेरी को देख ही चुके हैं। आपने जम्मू–कश्मीर का अपमान किया। पहले महज कश्मीर ही आतंकियों की गिरफ्त में था, लेकिन आज जम्मू भी जल रहा है।उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी का घोषणापत्र जारी किया था। उन्होंने घाटी के लोगों से वादा किया कि जम्मू–कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा और आर्थिक गतिविधियों को तेजी प्रदान करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। पार्टी ने अपने घोषणापत्र में घाटी के सभी लोगों के हितों का खास ख्याल रखा है। गृहणियों को आर्थिक दुश्वारियों से वंचित रखने के लिए उज्जवला योजना के अंतर्गत दो सिलेंडर मुफ्त देने के इतर 18 हजार की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की है।

## सम्पादकीय.......

# मुफ्त की राजनीति का हश्र

धीरे–धीरे पंजाब व हिमाचल सरकारों के मुखियाओं को अहसास होने लगा है कि वित्तीय संकट दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। लगातार बढ़ते राजस्व घाटे व बड़ी होती देनदारियों से सत्ता में बैठे राजनेताओं को बखूबी पता चल रहा है कि सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये मुफ्त का जो चंदन घिसा जा रहा था, वह राज्य की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रहा है। यहां तक कि कर्मचारियों को वेतन व रिटायर कर्मियों को समय पर पेंशन देने में मुश्किल आ रही है। गाल बजाकर बड़ी–बड़ी घोषणाएं करने वाले राजनेता तनख्वाह व पेंशन की तारीख आगे बढ़ाकर दावा कर रहे हैं कि इससे राज्य को आर्थिक बचत होने वाली है। संवेदनहीन राजनेताओं को इस बात का अहसास नहीं है कि वेतन पर आश्रित कर्मियों को राशन–पानी, बच्चों की स्कूल की फीस व लोन की ईएमआई समय पर चुकानी होती है। जिसको लेकर बैंक कोई रहम नहीं दिखाते हैं। राजनेताओं के आय के तमाम वैध–अवैध स्रोत होते हैं, कर्मचारी तो इकलौती तनख्वाह के भरोसे जीवन–यापन करता है। बहरहाल, चुनाव से पूर्व मुफ्त प्रलोभनों की तमाम घोषणाएं करने वाले राजनेताओं को अहसास हो चला है कि राज्य के खजाने में उनकी राजनीतिक विलासिता का बोझ ढोने का दमखम नहीं बचा है। विभिन्न दलों की शाहखर्ची ने राज्यों की आर्थिकी की हालत पहले ही पस्त कर रखी है। राजनेताओं ने कभी वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं किया। दिल्ली से लेकर पंजाब तक आप सरकारों ने तमाम तरह की मुफ्त की रेवड़ियां बांटी हैं। दरअसल, जिस भी नागरिक सुविधा को मुफ्त किया जाता है, उस विभाग का तो भट्टा बैठ जाता है। फिर उसकी आर्थिकी कभी नहीं संभल पाती। कैग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि पंजाब में एक निर्धारित यूनिट तक मुफ्त बिजली बांटे जाने से राज्य के अस्सी फीसदी घरेलू उपभोक्ता मुफ्त की बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं। जाहिरा बात है कि मुफ्त में कुछ नहीं मिलता। मुफ्त की राजनीति के चलते इन महकमों के विस्तार व विकास पर ब्रेक लग जाता है। बहरहाल, पंजाब के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की हालिया रिपोर्ट राज्य की वित्तीय प्राप्तियों और खर्चे के बीच बढ़ते राजकोषीय अंतर की ओर इशारा करती है। बीते वित्तीय वर्ष की आर्थिक बदहाली को दर्शाती कैग की रिपोर्ट बताती है कि कैसे राज्य सरकार की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज चुकाने में चला जा रहा है। यह भी चिंताजनक है कि राज्य का राजस्व घाटा, सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 1.99 फीसदी लक्ष्य के मुकाबले 3.87 फीसदी तक जा पहुंचा है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि राज्य का सार्वजनिक ऋण जीएसडीपी का 44.12 फीसदी हो गया है। यदि अब भी सत्ताधीश वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं करते तो निश्चित ही राज्य को बड़ी मुश्किल की ओर धकेलने जैसी बात होगी। जिसका उदाहरण सामने है कि बीते माह का वेतन निर्धारित समय पर नहीं मिल पा रहा है। इसके बावजूद यदि राजनेता शाहखर्ची से बाज नहीं आते और मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने का क्रम जारी रखते हैं तो उसकी कीमत न केवल टैक्स देने वालों को चुकानी पड़ेगी बल्कि आम लोगों के जीवन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। वहीं दूसरी ओर राज्य का खर्चा जहां 13 प्रतिशत की गति से बढ़ रहा है, वहीं राजस्व प्राप्तियां 10.76 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। जाहिर है, ये अंतर राज्य की आर्थिक बदहाली की तस्वीर ही उकेरता है। अभी भी वक्त है कि राजनेता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये सब्सिडी की राजनीति से परहेज करें और वित्तीय अनुशासन से राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास करें। उन्हें अपने घोषणापत्र में यह बात स्पष्ट करनी चाहिए कि वे जो लोकलुभावनी योजना लाने जा रहे हैं, उसके वित्तीय स्रोत क्या होंगे? कैसे व कहां से यह धन जुटाया जाएगा? साथ ही जनता को भी सोचना चाहिए कि मुफ्त के लालच में दिया गया वोट कालांतर उनके हितों पर भारी पड़ेगा। उन्हें सोचना होगा कि कभी–कभी मुफ्त बहुत महंगा पड़ता है। हमें अपने छोटे स्वार्थों के लिये राज्य के बड़े हितों से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए।

# दो विपरीत ध्रुव पर जमे हुए हैं किसान और नरेंद्र मोदी सरकार

**डॉ. ज्ञान पाठक**

> *किसानों ने कानूनी तौर पर एमएसपी की गारंटी मांगी, लेकिन केंद्र ने 3 सितंबर को एग्रीश्योरफंड लॉन्च किया। संक्षेप में, मोदी सरकार और किसान दो अलग–अलग ध्रुव हैं – किसान कृषि और अपनी फसलों के लिए लाभकारी मूल्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं।*

किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं, लेकिन केंद्र ने उसकी अनदेखी करते हुए 2 सितंबर को कृषि क्षेत्र के लिए 14,000 करोड़ रुपये की 7 नयी बड़ी योजनाओं की घोषणा की है। मोदी सरकार ने कहा कि ये योजनाएं किसानों के कल्याण के लिए हैं, लेकिन किसान कह रहे हैं कि उनकी भलाई उनकी फसलों के कानूनी रूप से सुनिश्चित न्यूनतम मूल्य पर निर्भर करती है, जिसे वे पारंपरिक रूप से अनेक बार बहुत कम कीमत पर, यहां तक कि अपनी उत्पादन लागत से भी कम पर बेचने के लिए मजबूर हैं। किसान इसके खिलाफ सुरक्षा चाहते हैं, लेकिन मोदी सरकार कह रही है कि किसानों का कल्याण केवल उन कानूनों और नीतियों के माध्यम से सुरक्षित किया जा सकता है जिन्हें वे लागू करना चाहते हैं। किसान उन्हें इस आधार पर खारिज करते हैं कि सरकार का मतलब केवल व्यापार और कॉर्पोरेट के लिए कृषि–अर्थव्यवस्था का विकास करना है, जबकि सरकार का कहना है कि उनकी योजनाओं से किसानों की आय बढ़ेगी। किसानों ने कानूनी तौर पर एमएसपी की गारंटी मांगी, लेकिन केंद्र ने 3 सितंबर को एग्रीश्योरफंड लॉन्च किया। संक्षेप में, मोदी सरकार और किसान दो अलग–अलग ध्रुव हैं – किसान कृषि और अपनी फसलों के लिए लाभकारी मूल्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन सरकार का ध्यान कृषि–अर्थव्यवस्था पर है जो व्यापार और कॉर्पोरेट लाभप्रदता को बढ़ावा देती है। मोदी सरकार ने स्पष्ट रूप से कृषि और ग्रामीण विकास की उपेक्षा की है, अन्यथा यह कैसे हो सकता था कि दोनों विभागों में पूर्णकालिक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भी तैनात नहीं किये गये हैं? शिवराज सिंह चौहान को कृषि और किसान कल्याण के साथ–साथ ग्रामीण विकास दोनों मंत्रालय सौंपे गये हैं। यह किसानों और ग्रामीण लोगों के वास्तविक कल्याण के लिए सरकार की कम प्राथमिकताओं को दर्शाता है। इसलिए यह आरोप प्रथम दृष्टया सही है कि मोदी सरकार आर्थिक विकास के नाम पर मुख्य रूप से व्यापार और कॉर्पोरेट लाभप्रदता पर ध्यान केंद्रित कर रही है, और इस भरोसे में है कि वे अधिक निवेश और रोजगार लायेंगे, जिसमें वे पिछले एक दशक में विफल रहे हैं। किसानों, ग्रामीण लोगों और बेरोजगारी की स्थिति दिन–ब–दिन खराब होती जा रही है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 3 सितम्बर को एग्रीश्योर का शुभारंभ किया, जो स्टार्ट–अप और ग्रामीण उद्यमों के लिए एक कृषि कोष है, जिसके बारे में सरकार ने कहा कि यह एक अभिनव कोष है, जो भारत में कृषि परिदृश्य में क्रांति लाने की दिशा में एक अग्रणी कदम है। मोदी सरकार हमेशा किसानों की समृद्धि पर जोर देती रही है, लेकिन कुछ खास नहीं कर रही है। मोदी सरकार का 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वायदा एक उदाहरण है, जो सरकार की दोषपूर्ण नीतियों और तथाकथित किसान कल्याण योजनाओं के कारण पूरी तरह विफल हो गया, जिससे कृषि उपज और उत्पादों में कॉरपोरेट और व्यवसायों को भारी मुनाफा हुआ, लेकिन किसानों को नुकसान हुआ। एग्रीश्योर के लॉन्च से एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली केंद्रीय कैबिनेट समिति ने किसानों के कल्याण के नाम पर 13,966 करोड़ रुपये की 7नयी बड़ी योजनाओं को मंजूरी दी थी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट का फैसला भारत के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए है। मोदी सरकार का यह फैसला केंद्र द्वारा 28,602 करोड़ रुपये की 12 औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को मंजूरी दिये जाने के एक सप्ताह बाद आया है। कई लोगों को यह उद्योग बनाम कृषि क्षेत्र के बीच संतुलन बनाने जैसा लगा, लेकिन यह आंशिक रूप से ही सही है, क्योंकि किसानों के कल्याण के नाम पर शुरू की गयी योजनाएं किसानों की आय बढ़ाने के बजाय कृषि–व्यवसाय के हितों की बेहतर सेवा करती हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो सरकार बढ़ती इनपुट लागत को ध्यान में रखते हुए किसानों को न्यूनतम मूल्य का आश्वासन क्यों नहीं देती? फिर भी, कृषि क्षेत्र की योजनाओं के लिए 7 नयी बड़ी घोषणाएँ हैं। फसल विज्ञानखाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए 3,979 करोड़ रुपयेय कृषि शिक्षा, प्रबंधन के लिए 2,291 करोड़ रुपयेय डिजिटल कृषि मिशन के लिए 2,817 करोड़ रुपयेय पशुधन स्वास्थ्य एवं उत्पादन के लिए 1,702 करोड़ रुपयेय बागवानी के सतत विकास के लिए 860 करोड़ रुपयेय कृषि विज्ञान केंद्र प्रबंधन के लिए 1,202 करोड़ रुपयेय तथा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए 1,115 करोड़ रुपये।

# ये बुलडोजर 'अ' न्याय ऐसे कैसे रुकेगा?

**राजेन्द्र शर्मा**

उत्तर प्रदेश समेत, देश के विभिन्न राज्यों में और खासतौर पर भाजपा–शासित राज्यों में, बुलडोजर (अ)न्याय की बढ़ती प्रवृत्ति पर, सुप्रीम कोर्ट की हाल की सख्त टिप्पणियों ने अंकुश लगाने का काम अवश्य किया है। देश की सबसे ऊंची अदालत ने दो–टूक शब्दों में इस सिद्घांत का एलान किया है कि शकिसी आरोपी तो क्या किसी दोष–सिद्घ अपराधी के भी घर को, समुचित कानूनीध्न्यायिक प्रक्रिया के बिना नहीं गिराया जा सकता है।श जस्टिस बीआर गवई तथा केवी विश्वनाथन की पीठ ने, जमीयत उल उलेमा ए हिंद तथा कुछ अन्य संगठनों की, राज्य सरकारों की बढ़ती बुलडोजर कार्रवाइयों के खिलाफ याचिकाओं पर विचार के क्रम में उक्त तीखी टिप्पणियां की हैं। शीर्ष अदालत ने इस सिलसिले में पूरे देश के लिए एक समान दिशा–निर्देश जारी करने की मंशा जतायी है और दो हफ्ते बाद ही, 17 सितंबर को आगे की सुनवाई करने का फैसला लिया है। बहरहाल, शीर्ष अदालत की इन तीखी टिप्पणियों के बावजूद, देश में शबुलडोजर न्यायश के बढ़ते कदमों के रुकने की बहुत उम्मीद नहीं बंधती है। इसका सबसे बड़ा कारण तो बुलडोजर न्याय के नाम पर इस बढ़ते अन्याय को बढ़ावा देने का वर्तमान शासन का रुख ही है। याद रहे कि इस बुलडोजर अन्याय का मुद्दा कोई पहली बार शीर्ष अदालत में नहीं पहुंचा है। इस मुद्दे पर जब–तब हुए अदालती हस्तक्षेपों के अलावा, जिनमें दिल्ली में जहांगीरपुरी में मनमानी सांप्रदायिक कार्रवाई पर रोक लगाना भी शामिल था, जिसके आदेश के आधार पर वरिष्ठ्ङ्क सीपीआई (एम) नेता, बृंदा करात बुलडोजर को रुकवाने के लिए उसके सामने जाकर खड़ी हो गयी थीं, 2022 में भी सुप्रीम कोर्ट ने बाकायदा इस मुद्दे पर गौर किया था। लेकिन, कुछ न्यायपालिका की ढील और कुछ मौन सहमति से, उसके बाद गुजरे समय में, बुलडोजर राज सिर्फ जारी ही नहीं रहा है बल्कि सत्ताधारी भाजपा–शासित राज्यों में उसमें और तेजी ही आयी है। इसी सचाई का कुछ अंदाजा सर्वोच्च न्यायालय को ताजा सुनवाई के दौरान भी मिल गया होगा। याचिकाओं के अनुसार, इस तरह के बुलडोजर राज की मुख्य आरोपी, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश हुए, भारत के एडवोकेट जनरल, तुषार मेहता ने दावा किया कि इसमें गैर–कानूनी कार्रवाई जैसा कुछ भी है ही नहीं। घर–दूकानें आदि बुलडोजरों से ध्वस्त करने में कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि म्यूनिसिपिल कानूनों में अवैध निर्माणों के मामले में ध्वस्तीकरण का प्रावधान है। और प्रायरू सभी मामलों में ध्वस्तीकरण से पहले नोटिस देने आदि की कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया है। इस तरह, सब ठीक–ठाक है और शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करने की कोई जरूरत ही नहीं है! लेकिन, इससे बड़ा झूठ दूसरा नहीं हो सकता है। इसीलिए, सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार के शीर्ष न्यायिक अधिकारी के इन दावों को गंभीरता से लेने से इंकार कर दिया और इस मामले में हस्तक्षेप करने का स्पष्टङ्क इरादा जताया है। फिर भी यह कहना पड़ेगा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार के शीर्ष वकील के झूठ को आधा ही ठुकराया है या आधे ही सच को रेखांकित किया है। देश के बड़े हिस्से में इस समय कानून के न्याय की जगह बुलडोजर (अ)न्याय चल रहा होना, कानून तथा संविधान के शासन के लिए बहुत ही चिंताजनक होने के बावजूद, सिर्फ आधा ही सच है। इसी सचाई का शेष आधा भाग यह है कि यह बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक राजनीति का हथियार मात्र है। कई बार, बहुत भोलेपन में या सवा चतुराई में, कई लोग इस तरह का दिखावा करने की कोशिश करते हैं जैसे बुलडोजर (अ)न्याय, देश में न्याय व्यवस्था की कमजोरियों की और खासतौर पर उसमें होने वाले बहुत भारी विलंब की ही प्रतिक्रिया हो। भारतीय न्याय प्रणाली में शतारीख पर तारीखश पड़ती रहती है, खासतौर पर संपत्ति संबंधी मामलों के फैसले तक पहुंचने में दशकों लग जाते हैं, जबकि बुलडोजर तुरंत फैसला कर देता है! लेकिन, सांप्रदायिक उन्माद की धूल को हटाकर देखें तो, यह देखने में जरा भी देर नहीं लगेगी कि बुलडोजर के फैसलों का लोगों या समाज के हित के अर्थ में, न्याय से कुछ लेना–देना ही नहीं है। हां! उसका सांप्रदायिक बदले के एहसास से सब कुछ लेना–देना है। वास्तव में यह मानना खुद को सोच–समझकर धोखा देने के सिवा और कुछ नहीं है कि इन बुलडोजर कार्रवाइयों का गलियां–सड़कें आदि चौड़ी करने या आम तौर पर शहरों–कस्बों का सुंदरीकरण करने या नागरिकों के लिए सुविधाएं बेहतर करने से कोई लेना–देना है। हमारे जैसे देश में ऐसे ध्वस्तीकरणों की नैतिकता के गंभीर सवालों को अगर हम उठाकर भी रख दें तब भी, पहले कभी शहरी ध्वस्तीकरणों की ऐसी सेकुलर भूमिका रही होगी तो रही होगी। अब नहीं। वर्तमान भाजपा निजाम में, खासतौर पर डबल–ट्रिपल इंजनिया सरकारों के जमाने में बुलडोलर को त्वरित ध्वस्तीकरण से आगे, त्वरित सांप्रदायिक ध्वस्तीकरण के औजार में तब्दील किया जा चुका है। इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि महिलाओं के साथ बदसलूकी समेत जिस तरह के अपराधों के मुस्लिम आरोपियों के खिलाफ और कभी–कभी अवर्ण या दलित आरोपियों के भी खिलाफ तुरत–फुरत बुलडोजर सक्रिय हो जाता है, बुलडोजर की वैसी सक्रियता इन निजामों में वैसे ही अपराधों के सवर्ण हिंदू आरोपियों के खिलाफ शायद ही कभी दिखाई देता होगी। और अगर आरोपी को कहीं सत्ताधारी पार्टी का संरक्षण हासिल हो तब तो पूरी शासन व्यवस्था उसे बचाने में या कम से कम उसके खिलाफ आरोपों को कमजोर करने में जुट जाती है। जिस उत्तर प्रदेश में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ के मुस्लिम आरोपियों के घर पर फौरन बुलडोजर पहुंच जाता है, उसी उत्तर प्रदेश में बीएचयू की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार के आरोपी, भाजपा के आइटी सैल के तीन पदाधिकारियों के घर पर बुलडोजर पहुंचना।

मेष :– कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढे.गी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस–पास वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे।

बृषभः– शासन–सत्ता कें लोगों के साथ निकटता बढे.गी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः– कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान–प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढे.गी।

कर्कः– कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंहः– कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः– नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय की अपेक्षित है। सन्तत्ति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

तुलाः– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिकः– नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी–पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के ब्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनुः– सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकरः– बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

कुंभः– अन्तमरुखी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में ब्यस्तता बढे.गी।

मीनः– पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

# हरियाणा में भाजपा की बढ़ती परेशानियां

**एजेन्सी**

> *90 सीटों वाली विधानसभा में जैसे ही भाजपा ने अपने 67 उम्मीदवारों की सूची जारी की, कई नेताओं के इस्तीफों की झड़ी लग गयी। इनमें कुछ वर्तमान विधायक हैं, तो कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने टिकट न मिलने के कारण त्यागपत्र दे दिये हैं।*

2024 के लोकसभा चुनाव में महिला मतदाता निभायेंगी अहम भूमिकालोकसभा चुनाव में धन और बाहुबल पर अंकुश लगाना चुनौतीपूर्ण ऐसे में जब हरियाणा के विधानसभा चुनाव के लिये केवल एक माह का समय बचा हुआ है, सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी की मुश्किलें बढ़ चली हैं। 90 सीटों वाली विधानसभा में जैसे ही भाजपा ने अपने 67 उम्मीदवारों की सूची जारी की, कई नेताओं के इस्तीफों की झड़ी लग गयी। इनमें कुछ वर्तमान विधायक हैं, तो कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने टिकट न मिलने के कारण त्यागपत्र दे दिये हैं। पहले से कमजोर चल रही भाजपा को इनकी नाराजगी महंगी पड़ सकती है, खासकर कांग्रेस की बढ़ती ताकत के बरक्स। रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा तो दिया ही है, देश की सबसे अधिक धनी महिलाओं की सूची में कई मर्तबा शीर्ष पर रहने वाली सावित्री जिंदल ने हिसार विधानसभा सीट पर निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर संगठन को मुश्किल में डाल दिया है। उधर दूसरी तरफ हरियाणा में कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ने के लिये इच्छुक लोगों की लम्बी फेहरिस्त है। सम्भवतरू यहां कांग्रेस का आम आदमी पार्टी से गठबन्धन हो सकता है। एक ओर इंडिया की मजबूती तो दूसरी तरफ भाजपा में मचा घमासान चौंकाने वाले नतीजे दे सकता है। 5 अक्टूबर को होने जा रहे मतदान के लिये भाजपा ने 9 विधायकों की टिकटें काटी हैं और खुद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लाडवा सीट से उतार दिया है जबकि वे करनाल के विधायक हैं। यह सीट कुरुक्षेत्र के अंतर्गत आती है जहां से सावित्री जिंदल के पुत्र नवीन जिंदल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे और सांसद बने हैं। बड़ी बात नहीं कि खुद सैनी की राह वहां कठिन हो सकती है। पूर्व मंत्री करण देव कांबोज ने भी टिकट न मिलने के कारण पार्टी के अलविदा कह दिया है। वे रादौर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ते रहे हैं परन्तु इस बार भाजपा ने इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) से केवल तीन दिन पहले आये श्याम सिंह राणा को उतार दिया है जिससे कांबोज नाराज हैं। इतना ही नहीं, मंत्री रणजीत सिंह चौटाला ने भी टिकट न मिलने के कारण पार्टी की सदस्यता छोड़ दी है। हालांकि सैनी को विश्वास है कि इन सभी को मना लिया जायेगा। वे सभी को पार्टी के मजबूत नेता मानते हैं। दूसरी तरफ सावित्री जिंदल ने तो साफ कह दिया है कि यह उनका आखिरी चुनाव है और वे कोई भाजपा की सदस्य भी नहीं हैं जो भाजपा नेतृत्व के हिसाब से चलेंगी। उन्होंने साफ किया कि वे जनता की इच्छा पर चुनाव लड़ने जा रही हैं। भाजपा की परेशानी यह भी है कि वहां जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) से उसका गठबन्धन पहले ही टूट चुका है और वहां एनडीए जैसी कोई चीज रह ही नहीं गयी है। ऐसे में अगर टिकट बंटवारे को लेकर पहले से ही ऐसी भगदड़ मच गयी है तो उसके प्रदर्शन पर विपरीत असर पड़ना लाजिमी है। इसके विपरीत कांग्रेस पूरा प्रयास कर रही है कि उसका आप के साथ गठबन्धन हो जाये और इसके लिये वह उसके साथ सीटों के सम्मानजनक बंटवारे की कवायद में जुटी है। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव से कांग्रेस ने यह सबक लिया है कि यथासम्भव गठबन्धन बनाए जाएं। मध्यप्रदेश में कमलनाथ ने अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी द्वारा गठबन्धन के प्रस्ताव को शअखिलेश–वखिलेश कहकर हवा में उड़ा दिया था। उससे भी सीख लेते हुए अब गठबन्धन के मसलों को खुद राहुल गांधी डील कर रहे हैं। बताया जाता है कि हरियाणा में साथ लड़ने का पैगाम राहुल ने एक अपने एक नजदीकी के हाथों भिजवाया है। कहा जा रहा है कि बात सकारात्मक दिशा में बढ़ रही है। कांग्रेस द्वारा मुख्यमंत्री का अब तक कोई चेहरा घोषित न करना उसी रणनीति का एक हिस्सा कहा जा रहा है। यह नाम दोनों दलों के द्वारा सम्भवतरू संयुक्त रूप से घोषित करने की मंशा हो। जम्मू–कश्मीर में भी देखें तो नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबन्धन को अंतिम रूप देने का काम राहुल गांधी एवं पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ही किया है। हरियाणा में कांग्रेस की भी बड़ी जंगी तैयारी बतलाई जा रही है। बुधवार को 34 सीटों पर चर्चा पूरी कर ली गयी थी, जिनमें से 32 सीटों के प्रत्याशियों की सूची को अंतिम रूप दे दिया गया। वहीं पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया को भी चुनावी अखाड़े में उतारने का ऐलान कभी भी हो सकता है। यहां महिला पहलवानों तथा विनेश के साथ ओलिम्पिक में जो खेला हुआ उसे लेकर भी भाजपा के प्रति लोगों में बहुत क्रोध है। इसके अलावा किसानों द्वारा आंदोलन का जो दूसरा दौर चला है, उसका केन्द्र भी हरियाणा ही है। पहले आंदोलन के दौरान दिल्ली की तीनों सीमाओं (टिकरी, गाजीपुर और सिंघू) पर किसान डटे थे, इस बार उन्हें हरियाणा के शंभू में ही रोक दिया गया है।

लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य के कई गांवों में भाजपा प्रत्याशियों को प्रवेश करने से ही मनाही थी। हरियाणा में ताजा हुई एक और घटना से भाजपा की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। फरीदाबाद के एक युवा आर्यन मिश्रा को भाजपा समर्थित गोरक्षकों ने गो तस्करी के शक में 23 अगस्त को गोली मार दी थी जिससे उसकी मौत हो गयी। इसे लेकर वहां का सवर्ण तबका भी खासा नाराज है जिसका असर चुनावी परिणामों पर देखने का मिल सकता है। भाजपा से बड़े पैमाने पर नेताओं के त्यागपत्र. तो वहीं कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ने की उत्सुकता हरियाणा के सियासी मौसम में बदलाव का संकेत है।

# आदर्श के नाम पर लड़कियों की आत्मा पर पाबंदी लगाते हैं
# कनिका ढिल्लो

अपनी बेहतरीन फिल्मों के जरिए लोगों के मन में अमिट छाप छोड़ने वाली राइटर–प्रोड्यूसर कनिता ढिल्लों ने बीते सालों में अनगिनत फिल्में की हैं। वो एक बार फिर से अपनी फिल्म शफिर आई हसीन दिलरुबाश को लेकर खबरों में हैं। उनके साथ खास बातचीत। इंटरव्यूरू आदर्श के नाम पर लड़कियों की आत्मा–दिमाग पर पाबंदी लगाई जाती है, मैं सच के लिए लड़ती हूं– कनिका ढिल्लो ये कहानी एक फीलिंग, एक इमोशन के लिए लिखी है। एक किरदार की जर्नी के उतार–चढ़ाव को महसूस करने के लिए लिखी है। वो आपको महसूस हो यही कोशिश है– कनिका मेरे हिसाब से अब वही फिल्में चल रही हैं जिनसे ऑडियंस कनेक्ट कर पा रही है। लोग ट्रेलर देखकर मन बना रहे हैं कि फिल्म देखने जाएंगे या नहीं– कनिका शरूमीश, शमुक्कूश, शरानीश जैसी अपनी शर्तों पर जीने वाली आजाद लड़कियों को पर्दे पर गढ़ने वाली राइटर–प्रड्यूसर कनिका ढिल्लों इन दिनों अपनी फिल्म शफिर आई हसीन दिलरुबाश को लेकर चर्चा में हैं। इसी साल उनके बैनर की पहली फिल्म शदो पत्तीश भी ओटीटी पर दस्तक देगी। पेश है उनसे ये खास बातचीतरू फिल्म शएनिमलश में नायक के अपनी पत्नी को धोखा देने की काफी आलोचना हुई। आपकी शमनमर्जियांश की रूमी और शहसीन दिलरुबाश की रानी भी अपने पति को धोखा देती हैं। फिर भी उनके प्रति सहानुभूति रहती है। आपको नहीं लगता कि उनकी दगाबाजी भी गलत है? देखिए, सही और गलत के लिए तो हम यहां आए नहीं है। हम यहां एक इमोशन के लिए बैठे हैं। हम यह देखने के लिए बैठे हैं कि क्या आपने रानी का दर्द, उसका गुस्सा, उसका पश्चाताप महसूस किया? हम उसके लिए यहां हैं। हसीन दिलरुबा में आप रानी कश्यप को कभी गलत ठहराते हैं, क्योंकि वह गलत काम करती है। कभी आप उसके दर्द में साथ बहते हैं। कभी अपने मन में उसको डांटते हैं कि ये गलत है। कभी आप उसका पश्चाताप देखते हैं तो उसे प्यार भी करते हैं। मैंने सही–गलत या कोई स्टेटमेंट देने के लिए ये कहानी नहीं लिखी। ये कहानी एक फीलिंग, एक इमोशन के लिए लिखी है। एक किरदार की जर्नी के उतार–चढ़ाव को महसूस करने के लिए लिखी है। वो आपको महसूस हो यही कोशिश है। वैसे भी आपकी नायिकाएं समाज के बनाए आदर्श लड़की वाले मापदंडों से हमेशा ही परे रही हैं... यार, ये आदर्श लड़की, संस्कारी लड़की, अच्छी लड़की की परिभाषा से मुझे हमेशा दिक्कत रही है। ये आइडियल के नाम पर आपने लड़कियों के दिमाग और उनकी आत्मा पर पाबंदी लगा दी है। आपने इतनी औरतों की बलि चढ़ा दी है ना कि कुछ कहने की बात ही नहीं। इसलिए, अब ये बस बंद कर दीजिए। राइटर्स हर कहानी के साथ एक दुनिया गढ़ते हैं, फिर उसके पूरे होने पर एक खालीपन से गुजरते हैं, आपका राइटिंग प्रॉसेस क्या रहता है? रिशू–रानी की दुनिया में वापस जाना कितना सहज या मुश्किल रहा? मैं वो खालीपन होने ही नहीं देती हूं। मैं कहानी से कहानी भागती रहती हूं। कुछ लोग ऐसे लिखते हैं कि हर कहानी में अपना सबकुछ उड़ेल देते हैं। मेरा प्रोसेस उससे बिल्कुल उल्टा है। मैं एक समय में सिर्फ एक कहानी नहीं लिख सकती। मुझे लगता है कि अगर आप कहानी में बहुत ही ज्यादा घुस जाते हैं तो अपका नजरिया कहीं ना कहीं धुंधला जाता है। आप अपने लिखे हुए को निष्पक्ष होकर नहीं देख पाते। आपको अपना हर सीन, हर शब्द बेस्ट लगता है। फिर उसे काटने में दिक्कत होती है और ये मेरे साथ हो चुका है। इसलिए, मैं हमेशा दो या तीन कहानियां साथ में लिखती हूं ताकि अगर इस कहानी में ज्यादा घुसो तो ब्रेक लेने के लिए दूसरे कैरेक्टर्स से मिलकर आ जाओ। फिर आप इनको थोड़े डिस्टेंस से भी देख पाएंगे। जैसे, फिर आई दिलरुबा के साथ ही मैं दो पत्ती भी लिखी। दोनों इसी साल रिलीज हो जाएंगी। दोनों मैंने लिखी भी हैं और प्रोड्यूस भी की हैं। रही बात हसीन दिलरुबा की, तो उसे दोबारा लाने की वजह यही थी कि मेरा खुद का मन नहीं भरा था। मेरा खुद रिशू–रानी की कहानी फिर लिखने का बहुत मन हो रहा था। ऐसा लग नहीं रहा था कि अरे अब ये जर्नी खत्म हो गई है। इन दिनों थिएटर्स में फिल्में ना चलने पर बहुत चर्चा हो रही हैं, मगर देखा जाए तो असल में उनका कॉन्टेंट भी इतना अच्छा नहीं है। क्या कहना चाहेंगी? हिंदी सिने राइटर्स अच्छा कॉन्टेंट क्यों नहीं दे पा रहे हैं? ऐसा नहीं है कि फिल्में बिल्कुल ही नहीं चल रही हैं। ऐसा सूखा तो नहीं है। मेरे हिसाब से अब वही फिल्में चल रही हैं जिनसे ऑडियंस कनेक्ट कर पा रही है। लोग ट्रेलर देखकर मन बना रहे हैं कि फिल्म देखने जाएंगे या नहीं। पहले ये होता था कि अगर एक खास लेवल का ऐक्टर ले लें तो माना जाता था कि इतने लोग तो आएंगे ही। अब वो बिजनेस मॉडल हिल चुका है। अब चाहे बड़ा ऐक्टर हो या छोटा, अगर ऑडियंस को जरा भी लगा कि उन्हेंआपकी कहानी में रुचि नहीं है तो वे आपको कभी भी धोखा दे सकती है। ये अच्छी बात भी है, बुरी बात भी है, मगर मेरा मानना है कि जब भी एक इंडस्ट्री के तौर पर आप आगे बढ़ते हैं तो एक केयॉस (उथल–पुथल) होता ही है।

# बॉडीकॉन ड्रेस में शहनाज गिल ने दिए किलर पोज

शहनाज गिल प्रिंटेड टर्टल नेक कट–आउट डिटेल्स वाली बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद हॉट पोज देती नजर आ...

# पेरिस में कुछ ऐसे वेकेशन एंजॉय कर रहीं सारा अली खान

सारा अली खान पेरिस शहर की धूप का मजा लेती आईं नजर, क्या आपने देखीं उनकी ये...

# अवनीत कौर ने इंस्टाग्राम पर लगाया ग्लैमर का तड़का

अपनी हालिया शेयर की गई फोटोज में अवनीत बेहद ग्लैमरस अंदाज में पोज देती नजर आ...

अल्लू अर्जुन की फिल्म शपुष्पा 2रू द रूलश की घोषणा के बाद से ही फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ती जा रही है. टीजर ने इसे और भी बढ़ा दिया है. सीक्वल को लेकर चर्चा तेज है जिसे आप हर ओर देख सकते हैं. फिल्म का इंतजार लोगों को कितनी बेसब्री से है इसका सबूत अब बुकमायशो में देखने को मिला है. यहां लोगों ने अपना इंट्रेस्ट फिल्म के लिए दिखाया है. शपुष्पा 2श के लिए बुकमायशो पर 319ज्ञ इंटरेस्ट दिख रहे हैं, जो 2024 की सभी फिल्मों में सबसे ज्यादा है.

ये दिखाता है कि शपुष्पा 2रू द रूलश साल की सबसे बड़ी फिल्म है, और सब लोग इसके लिए इंतजार कर रहे हैं. शपुष्पा 2रू द रूलश ने रिलीज से पहले बनाया रिकॉर्ड शपुष्पा 2रू द रूलश के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर नेशनल अवॉर्ड विनर अल्लू अर्जुन का एक जबरदस्त पोस्टर शेयर किया, जिसमें पुष्पराज के रूप में उनका इंप्रेस करने वाला स्टाइल नजर आ रहा है. उन्होंने कैप्शन में लिखा है– शपुष्पा 2 द रूल को बुकमायशो पर 319ा से ज्यादा इंटरेस्ट मिला है. यह 2024 की सभी फिल्मों में सबसे हाईएस्ट है. 6 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में होगा द रूल.श इसके अलावा, पुष्पा 2रू द रूल को रिलीज होने से पहले ही काफी अटेंशन मिल रहा है. यह 2024 की सबसे मच अवेटेड फिल्मों में से एक है और इसे लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं, जिसे अगले लेवल पर जाते हुए देखा जा सकता है. पुष्पा 2रू द रूल 6 दिसंबर, 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. सुकुमार द्वारा डायरेक्टेड और मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा प्रोड्यूस इस फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल लीड रोल में हैं. फिल्म का म्यूजिक टी सीरीज द्वारा दिया गया है.

एक्टर आर माधवन ने हाल ही में एक पान मसाला ब्रांड का एंडोर्समेंट ठुकरा दिया है। इसके लिए एक्टर को बड़ी रकम की पेशकश भी कई थी। हालांकि दर्शकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए एक्टर ने इस प्रपोजल को ठुकरा दिया। एक्टर का कहना है कि वे ऐसे किसी भी ब्रांड का एंडोर्समेंट नहीं करना चाहते हैं, जिससे ऑडियंस को नुकसान हो। सूत्रों के मुताबिक, एक बड़ी पान मसाला कंपनी अपने ब्रांड की पहुंच बढ़ाने की फिराक में थी। अब माधवन के मना करने के बाद कंपनी ब्रांड के लिए नए चेहरे की तलाश में है। कुछ समय पहले जॉन अब्राहम ने उन साथी एक्टर्स पर निशाना साधा था जो एक तरफ फिटनेस की बात करते हैं और दूसरी तरफ पान मसाला का ऐड करते हैं। जॉन ने कहा था कि वे कभी भी पान मसाला ब्रांड का एंडोर्समेंट नहीं करेंगे। वह अपने फैंस के लिए रोल मॉडल बनना चाहते हैं। वे जनता के सामने नकली इमेज बनाने में भरोसा नहीं करते। पान मसाला को प्रमोट करने पर ट्रोल हुए थे अक्षय, अजय और शाहरुख खान कुछ समय पहले एक्टर अजय देवगन, शाहरुख खान और अक्षय कुमार पान मसाला और गुटखा ब्रांड का प्रचार करने को लेकर निशाने पर आ गए थे। इसके बाद अक्षय ने अनाउंसमेंट की थी कि वे इस तरह के प्रमोशन में पार्टिसिपेट नहीं करेंगे। उन्होंने फैंस से माफी भी मांगी थी। अक्षय ने आगे कहा था, शमैं अपने सभी फैंस और शुभचिंतकों से माफी मांगना चाहता हूं।

# कमरे को हमेशा गंदा रखते हैं बच्चे, तो डांटने की बजाय इन ट्रिक्स से सफाई बनाएं आसान

अगर आप कभी अपने बच्चे के कमरे का दरवाजा खोलते हैं और आपको कपड़ों, खिलौनों के साथ साथ और न जाने क्या–क्या देखने को मिलता है, तो आप अकेले नहीं हैं। बार–बार कहने, समझाने और धमकियों के बाद भी जब साफ–सफाई की बात आती है तो माता–पिता अक्सर अपने बच्चों के साथ टकराव की स्थिति में होते हैं। हममें से कई लोगों के लिए यह ष्कोशिश करो और जाने दोष और फिर ष्दोबारा से कहो और झगड़ा हो जाएष का एक अंतहीन चक्र है। इससे उत्पन्न होने वाला संघर्ष हर किसी के लिए तनावपूर्ण हो सकता है। इससे निपटने का एक अलग तरीका है।

बच्चे और किशोर गंदे क्यों होते हैं?

बच्चों के अस्त–व्यस्त होने के क्मअमसवचउमदजंस बंनेमे होते हैं। शोध से पता चलता है कि 18 महीने की उम्र से ही साफ–सफाई में मदद करना बेहतर सामाजिक कौशल (दूसरों के साथ काम करने की क्षमता) से जुड़ा है। यदि बच्चों के कमरे में बहुत सारे खिलौने हैं तो कमरे को साफ–सुथरा रखना भी मुश्किल हो सकता है। इसका मतलब है कि उन्हें खिलौना ढूंढने के लिए चीजों को इधर–उधर करना होगा या खिलौने की टोकरियां उठानी होंगी। बहुत अधिक विकल्प भी बच्चों को जल्दी से एक खिलौने या गतिविधि से दूसरे की ओर ले जा सकता है।

आपको इसे स्वयं ही साफ क्यों नहीं करना चाहिए?

माता–पिता के रूप में हम निराश महसूस करने के चक्र में फंस सकते हैं और अपने बच्चे के दृष्टिकोण से अलग हो सकते हैं। छोटे बच्चों के लिए, खेल ही काम है – उनका अधिकांश सीखना खेलते समय होता है। जब हम उनके खेल में बाधा डालते हैं उनकी किसी खास चीज को इधर–उधर रख देते हैं, या किसी विशेष वस्तु को बाहर फेंक देते हैं, तो इससे बच्चे का विश्वास टूट सकता है और यह आपके बच्चे के लिए नुकसानदेह हो सकता है। किशोरों (और यहां तक कि छोटे बच्चों) के लिए, उनकी दुनिया में एक स्वस्थ पहचान और नियंत्रण की भावना विकसित करने के लिए व्यक्तिगत स्थान होना महत्वपूर्ण है। इसलिए जब माता–पिता उनके कमरे में घुसते हैं और अपना सामान इधर–उधर करते हैं, तो यह उल्लंघन जैसा महसूस हो सकता है।

सफाई को आसान कैसे बनाया जा सकता है?

शांत माहौल में (जब आप उनसे कुछ भी साफ करने के लिए नहीं कह रहे हों) अपने बच्चे से सफाई के बारे में बात करने के लिए समय निकालें। इसे एक व्याख्यान न बनाएं – स्वीकार करें कि उनके कमरे को साफ–सुथरा रखना कितना कठिन है, उनसे इस बारे में विचार पूछें कि क्या मदद मिल सकती है और एक नियमित दिनचर्या पर एक साथ निर्णय लें (शायद वे हमेशा टीवी से पहले अपने कमरे को जल्दी से साफ–सुथरा कर दें, या किसी खास दिन ऐसा करें)। चर्चा करें कि इसे कैसे किया जाए और आप साथ मिलकर कैसे काम करेंगे। अपने बच्चे के कमरे में कम खिलौने रखें और इनके लिए एक विशेष स्थान रखें। यह कमरे को अधिक आकर्षक और व्यवस्थित बना सकता है, खेल और रचनात्मकता को प्रेरित कर सकता है और साफ–सफाई को आसान बना सकता है। उन क्षणों पर ध्यान दें जब आपके बच्चे किसी प्रकार की सफाई कर रहे हों और उनके प्रयासों को स्वीकार करें।

बच्चों को ध्यान आकर्षित करना अच्छा लगता है

बड़े बच्चों के लिए कार्य को छोटे भागों में बांट दें। उदाहरण के लिए, आप केवल अपना कमरा साफ करो कहने के बजाय सुझाव दे सकते हैं, ष्सारे लेगो को उस बॉक्स में पैक करें तो कैसा रहेगा? छोटे बच्चों के साथ सक्रिय रहें। सफाई करना कनेक्शन का समय हो सकता है। पहले उन्हें सभी लाल खिलौने ढूंढने को कहें, फिर देखें कि वे कितनी तेजी से आपके लिए ऐसे गंदे मोजे ला सकते हैं जिन्हें धोने की जरूरत है। जब आप अपने बच्चे को साफ–सफाई करने के लिए कहते हैं तो उसके मन में क्या भावनाएं आती हैं, इस पर ध्यान दें। इन भावनाओं को जुड़ाव और मार्गदर्शन के अवसर के रूप में देखें। उदाहरण के लिए, "जब साफ करने के लिए बहुत कुछ हो तो बहुत खुशी होती है। क्या आप इस बात को लेकर चिंतित हैं कि कहां से शुरुआत करें?" या समस्या को एक साथ हल करें हम पहले क्या साफ कर सकते हैं?ष किशोरों के साथ, केवल एक चीज से शुरू करें जिसे सफाई की आवश्यकता है (उदाहरण के लिए, ष्धोना?ष या प्लेटें?)। किसी एक चीज से शुरूआत करना एक किशोर को सफाई न करने के एहसास से निकलने और टकराव को रोकने में मदद देते हैं। अपनी आवाज के लहजे और शारीरिक भाषा पर ध्यान दें – शांत, दृढ़ और दयालु बने रहने का प्रयास करें।

क्या आप व्यस्त दिनचर्या के कारण सप्ताह के दिनों में बेहतर नींद नहीं ले पाते हैं? एक अध्ययन के अनुसार, सप्ताहांत में देर तक सोने से न केवल खोई हुई नींद की भरपाई हो सकती है, बल्कि हृदय रोग का जोखिम भी पांचवें हिस्से तक कम हो सकता है। यानी की आप अच्छी नींद लेकर कई बीमारियों के खतरे से टल सकते हैं।

हृदय रोग का जोखिम कम करती है नींद

बीजिंग के फुवाई अस्पताल में संक्रामक रोग की राज्य प्रमुख प्रयोगशाला के अध्ययन लेखक यानजुन सोंग का कहना है कि पर्याप्त नींद लेने से हृदय रोग का जोखिम कम होता है। यह संबंध ा उन व्यक्तियों में और भी स्पष्ट हो जाता है, जो सप्ताह के दिनों में नियमित रूप से अपर्याप्त नींद का अनुभव करते हैं। यह आम तौर पर जाना जाता है कि जो लोग नींद की कमी का अनुभव करते हैं, वे अपने छुट्टी के दिनों में ष्देर तक सोते हैंष्, बस उस एक दिन की भरपाई करने के लिए जो उन्होंने खो दिया था।

कैच–अप नींद का भी है फायदा

यूके बायोबैंक परियोजना में 90,903 प्रतिभागियों से नींद के आंकड़े एकत्र करने के लिए लेखकों द्वारा नींद के पैटर्न को मापने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण एक्सेलेरोमीटर का इस्तेमाल किया गया था, ताकि सप्ताहांत की नींद और हृदय रोग के बीच संबंध का आकलन किया जा सके। इसके बाद यह नतीजा निकला कि आधुनिक समाज में आबादी का एक बड़ा हिस्सा जो नींद की कमी से पीड़ित है, सप्ताहांत में सबसे ज्यादा शकैच–अपश नींद लेने वालों में हृदय रोग की दर उन लोगों की तुलना में काफी कम है जो सबसे कम नींद लेते हैं।

नींद से रक्तचाप नियंत्रित रहता है

नींद और हृदय स्वास्थ्य के बीच गहरा संबंध है, और पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण नींद न केवल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करती है, बल्कि दिल की बीमारियों के जोखिम को भी कम करती है। अच्छी नींद लेने से रक्तचाप सामान्य रहता है। उच्च रक्तचाप हृदय रोगों का एक प्रमुख कारण होता है, और जब आप पर्याप्त नींद लेते हैं, तो रक्तचाप नियंत्रित रहता है, जिससे दिल का दौरा और स्ट्रोक का खतरा कम होता है।

हृदय की धड़कन रहती है नियमित

अच्छी नींद हृदय की धड़कन को नियमित रखने में मदद करती है। जब आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, तो आपके हृदय की धड़कन अनियमित हो सकती है, जिससे अतालता का खतरा बढ़ जाता है। अच्छी नींद से मानसिक तनाव कम होता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है। तनाव हृदय पर दबाव डालता है, और पर्याप्त नींद इसे कम करने में सहायक होती है।

कम नींद के हृदय पर प्रभाव

– नींद की कमी से रक्तचाप बढ़ सकता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

– नींद की कमी से हृदय की समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है, जिसमें कोरोनरी आर्टरी डिजीज, हार्ट फेलियर, और हार्ट अटैक शामिल हैं।

– नींद की कमी से शरीर में चयापचय प्रक्रिया पर नकारात्मक असर पड़ता है, जिससे टाइप 2 मधुमेह और मोटापे का खतरा बढ़ सकता है, जो हृदय रोगों के लिए जोखिम कारक हैं।

ग्रीन टी में कई शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। ग्रीन टी का फेसपैक लगाने से पिंपल्स से छुटकारा मिलता है और यह पोर्स को क्लीन करता है। इससे बार–बार फेस पर मुंहासे नहीं आते हैं और चेहरे पर मौजूद दाग–धब्बे भी कम होते हैं।

ग्रीन टी में कई शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। जो वेट लॉस में काफी मददगार मानी जाती हैं। वहीं सुबह चाय की जगह रोजाना ग्रीन टी पीना काफी फायदेमंद माना जाता है। इसको पीने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ग्रीन टी पीने के साथ ही स्किन को ग्लोइंग बनाने के काम भी आती है।

आप ग्रीन टी का फेसपैक बनाकर चेहरे पर अप्लाई करें। बता दें कि ग्रीन टी का फेस पैक हर स्किन टाइप के लिए लाभकारी होता है।

इसके फेस पैक से पिंपल्स से छुटकारा मिलता है और यह पोर्स को क्लीन करता है। इससे बार–बार फेस पर मुंहासे नहीं आते हैं और चेहरे पर मौजूद दाग–धब्बे भी कम होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अलग–अलग तरीके के ग्रीन टी के फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं।

ड्राई स्किन के लिए ग्रीन टी फेस पैक

ड्राई स्किन के लिए ग्रीन टी का फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले ग्रीन टी को उबाल लें और इस मिक्सर में पीस लें। अब इसमें एक चम्मच शहद और दही मिलाकर फेस पर अप्लाई करें। यह फेस पैक स्किन को नमी देने के साथ ग्लो भी बढ़ाता है। ग्रीन टी के पानी के साथ भी यह फेस पैक बनाकर तैयार कर सकती हैं। इस फेस पैक का टेक्स्चर सही रखने के लिए आधा छोटा चम्मच बेसन मिला लें।

ऑयली स्किन के लिए ग्रीन टी फेस पैक

ऑयली स्किन वाले लोग एक बड़ा चम्मच ग्रीन टी को थोड़े पानी में उबाल लें। इस इस पानी में मुल्तानी मिट्टी और कुछ बूंद नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बना लें। फिर अपना चेहरा धो कर सुखा लें। अब इस फेसपैक को 15–20 मिनट के लिए अप्लाई करें और चेहरा नॉर्मल पानी से धो लें। यह फेस पैक एक्स्ट्रा ऑयल को फेस पर आने से रोकता है और यह पिंपल्स से भी छुटकारा दिलाने का काम करता है।

कॉम्बिनेशन स्किन के लिए ग्रीन टी फेस पैक

बता दें कि कुछ लोगों की माथे, नाक और ठुड्डी की आसपास की त्वचा ऑयली होती है। तो अन्य हिस्से थोड़े रुखे होते हैं। ऐसी त्वचा के लिए ओटमील में ग्रीन टी का पानी मिलाएं और एक चम्मच शहद मिलाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। अब जब ओटमील मुलायम हो जाए, तो इसको फेस पर अप्लाई करें और फिर 15 मिनट बाद चेहरा धो लें।

आप नेचुरल तरीके से भी कुछ सस्ते और असरदार तरीके अपनाकर फेस को पिंपल्स फ्री बना सकती हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं।

फेस पर पिंपल्स होना एक नेचुरल बात होती है, लेकिन समस्या तब होती है जब फेस पर पिंपल्स बढ़ने लगते हैं। वहीं कई बार पिंपल्स फेस पर दाग छोड़ जाते हैं। इन दागों से निजात पाने के लिए हम सभी तरह–तरह के तरीके अपनाते हैं। ऐसे में आप नेचुरल तरीके से भी कुछ सस्ते और असरदार तरीके अपनाकर फेस को पिंपल्स फ्री बना सकती हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर आप अपनी त्वचा को पिंपल फ्री बना सकती हैं।

क्या आपने बचाटा डांस देखा है? जानिये क्यों हो रहा है इस पर विवादऔर जानें

शहद है फायदेमंद

फेस से पिंपल्स को दूर करने के लिए आप शहद का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। शहद एंटीबैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूत होता है। इसलिए इसके कई फायदे होते हैं। आप फेस पर पिंपल्स निकलते ही इसके ऊपर शहद की एक–दो बूंद लगाकर रात भर के लिए छोड़ दें। फिर अगले दिन सुबह ठंडे पानी से चेहरे को धो लें। ऐसा करने से पिंपल्स नहीं होंगे।

बर्फ का करें इस्तेमाल

फेस पर बर्फ की सिकाई करने से पिंपल्स के सूजन और दर्द से राहत मिलती है। बर्फ को एक टिश्यू में लें और फिर इसको चेहरे के जिस एरिया पर अधिक पिंपल्स होते हैं, वहां पर थपकी देते हुए सिकाईं करें। इससे फेस पर बैक्टीरिया कम होते हैं और चेहरा एक्ने फ्री होता है।

एलोवेरा है फायदेमंद

बता दें कि एलोवेरा का छिलका और उसका गूदा दोनों ही पिंपल्स में काफी फायदेमंद साबित होता है। एलोवेरा के पल्प को नीम के पाउडर में मिक्स कर फेस पर अप्लाई करें। फेस के जिस हिस्से पर कील–मुंहासें ज्यादा होते हैं, आप वहां पर एलोवेरा के छिलके को रगड़कर पिंपल फ्री बना सकते हैं।

ग्रीन टी का करें इस्तेमाल

स्किन के लिए ग्रीन टी काफी फायदेमंद होती है। आप गर्म पानी में इसको उबाल लें और फिर इस पानी को ठंडा कर फेस पर स्प्रे करें। इस उपाय को करने से पिंपल्स की समस्या कम होती है और आपकी त्वचा भी बैक्टीरिया फ्री रहती है। ग्रीन टी में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पिंपल्स के दाग नहीं पड़ने देते हैं।

## संक्षिप्त

### दिल्ली-वाराणसी की फ्लाइट में यात्रियों को हुई असुविधा अब कंपनी ने मांगी माफी

इंडिगो एयरलाइंस ने शनिवार को माफी मांगी, क्योंकि दिल्ली–वाराणसी उड़ान में यात्रियों को विमान के एयर कंडीशनिंग सिस्टम में खराबी के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और विमान में अराजक स्थिति पैदा हो गई। पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए इंडिगो के सूत्रों ने बताया कि एसी ठीक से काम कर रहा था, लेकिन तापमान में बदलाव के कारण केबिन गर्म हो गया, जिससे यात्रियों में घबराहट फैल गई। एयरलाइंस की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, हम 5 सितंबर, 2024 को दिल्ली से वाराणसी के लिए उड़ान 6म 2235 में हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हैं। बयान में कहा गया है, ष्यह असुविधा केबिन के तापमान में उतार–चढ़ाव के कारण हुई थी, जिसे यात्रियों के अनुरोध के अनुसार समायोजित किया गया था। हमारे केबिन क्रू ने प्रभावित यात्री को स्थिति से निपटने के लिए तुरंत सहायता प्रदान की।ष गुरुवार को उड़ान संख्या 6ई 2235 पर घटी इस घटना के वीडियो में यात्री बेहद असहज स्थिति में दिख रहे हैं। यात्रियों में से बुजुर्गों को दम घुटने के कारण सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। गुस्साए यात्रियों ने कहा कि उन्हें कुछ पता ही नहीं चला कि क्या हुआ और उन्हें ऐसा लग रहा था जैसे उन्हें अपहृत कर लिया गया हो। इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए इंडिगो ने एक बयान जारी किया और कहा, षदिल्ली और बागडोगरा के बीच इंडिगो जेएंडके 6ई 2521 उड़ान में देरी हुई क्योंकि जमीन पर तापमान बहुत अधिक था, जिससे परिचालन में बाधा आ रही थी। इंडिगो यात्रियों की सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता देता है और समय पर प्रस्थान सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहा है। यात्रियों को नियमित अपडेट दिए जा रहे हैं और एयरलाइन के नियंत्रण से परे कारकों के कारण हुई असुविधा के लिए हमें खेद है।

### स्पाइसजेट की ऋण, इक्विटी के जरिये 3,200 करोड़ रुपये जुटाने की योजना

नकदी संकट से जूझ रही घरेलू एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने ऋण व इक्विटी तथा प्रवर्तक द्वारा पूंजी निवेश से 3,200 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने की योजना बनाई है। एयरलाइन ने एक कॉरपोरेट प्रस्तुति में यह जानकारी दी। स्पाइसजेट ने

कहा, इस धनराशि का इस्तेमाल देनदारी का निपटान, बेड़े के विस्तार, अन्य सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा। विमानन कंपनी ने प्रस्तुति में कहा, '' स्पाइसजेट ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 2,500 करोड़ रुपये और वॉरंट तथा प्रवर्तक निवेश के माध्यम से 736 करोड़ रुपये जुटाने की योजना भी बनाई है।'' हालांकि, प्रस्तावित योजना के लिए शेयरधारकों की मंजूरी ली जानी है।

### ग्रेजुएट किए हुए युवाओं के लिए शानदार मौका, बैंक नियुक्ति के बाद देंगे 5000 रुपये का स्टाइपंड

बैंक अब जल्द ही युवाओं को नौकरी पर रखने की तैयारी में है। बैंकों का मुख्य फोकस अब 25 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को नौकरी पर रखने का होगा। ये ऐसे युवा होंगे जिन्होंने हाल ही में अपनी ग्रैजुएशन की डिग्री को पूरा किया है। इन ट्रेनी युवाओं को मासिक स्टाइपंड (वजीफा) भी दिया जाएगा। ये जानकारी भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील मेहता ने शुक्रवार को दी है। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग करने वाले युवाओं को ट्रेनिंग के दौरान बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित विशेष कौशल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह पहल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा हाल ही में बजट में की गई घोषणा के बाद की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि अगले पांच वर्षों में 10 मिलियन युवाओं को शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप प्रदान की जाए। इस कार्यक्रम के संबंध में बैंक की भागीदारी को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई है। आमतौर पर बैंकों में विपणन और वसूली जैसी विभिन्न भूमिकाओं के लिए अत्यधिक विशिष्ट कौशल की आवश्यकता नहीं होती है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण से इन युवाओं को कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी, जिससे वे स्वयं रोजगार के अवसर सृजित कर सकेंगे। इन अप्रेंटिसशिप में रुचि रखने वाले उम्मीदवारों की उम्र 21 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए और वे करदाता नहीं होने चाहिए। इसके अलावा, उनके पास प्प्ज या प्प्ड जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से डिग्री नहीं होनी चाहिए। मेहता ने यह भी बताया कि प्रशिक्षुओं को बैंकिंग सेवाओं को वंचित क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट सहित विभिन्न पदों पर नियुक्त किया जा सकता है। मेहता ने आश्वासन दिया कि प्रशिक्षु अपने कार्यकाल के बाद गायब नहीं होंगे, तथा उन्होंने सुझाव दिया कि कुछ को स्थायी कर्मचारी के रूप में बनाये रखने की संभावना है। आईबीए ने योजना के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए गुरुवार को कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के सचिव के साथ बैठक की और मेहता ने संकेत दिया कि कार्यक्रम एक महीने के भीतर शुरू किया जा सकता है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि बैंक कितने प्रशिक्षुओं को नियुक्त करेंगे, लेकिन उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि सभी बैंक इस पहल में भाग लेंगे तथा इसके क्रियान्वयन में सरकार का सहयोग भी अपेक्षित है।

# शुभमन गिल सस्ते में आउट, इंडिया ए 187 रन से पीछे

## श्रेयस-पडिक्कल ने दिलाई इंडिया डी को बढ़त

बेंगलुरु। दलीप ट्रॉफी 2024 की शुरुआत हो चुकी है। इंडिया ए और इंडिया बी के बीच बेंगलुरु में और इंडिया सी और इंडिया डी के बीच अनंतपुर में मुकाबला खेला जा रहा है। दूसरे दिन बेंगलुरु में खेले जा रहे मुकाबले में इंडिया ए के कप्तान शुभमन गिल 25 रनों की पारी खेलकर सस्ते में आउट हो गए। वहीं, श्रेयस अय्यर और देवदत्त पडिक्कल ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर इंडिया डी को 200 से ज्यादा रनों की बढ़त दी। नवदीप सैनी के नई गेंद से बेहतरीन स्पैल से इंडिया बी ने शुक्रवार को दलीप ट्रॉफी मैच के दूसरे दिन स्टंप तक भारत ए के पहली पारी में 134 रन तक दो विकेट झटक लिए। मुशीर खान (181 रन, 373 गेंद, 16 चौके और पांच छक्के) के शानदार प्रयास से पहली पारी में 321 रन बनाने वाली भारत बी को अपने गेंदबाजों से शानदार प्रदर्शन की जरूरत थी। स्टंप तक केएल राहुल (23 रन) और रियान पराग (27 रन) क्रीज पर डटे हैं। इंडिया ए अभी 187 रन से पीछे हैं। भारतीय टीम से बाहर चल रहे सैनी ने इंडिया ए के कप्तान शुभमन गिल (25) और उनके सलामी जोड़ीदार मयंक अग्रवाल (36) को आउट किया। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने गिल और अग्रवाल के बीच पहले विकेट के लिए 57 रन साझेदारी को तोड़ते हुए अपनी टीम को पहली सफलता दिलाई। राहुल और पराग को सैनी, मुकेश कुमार और नितीश कुमार रेड्डी की तेज गेंदबाजी तिकड़ी से मुश्किलों का सामना करना पड़ा। पर दोनों ने अभी तक तीसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी निभा ली है। इससे पहले मुंबई के बल्लेबाज मुशीर ने शानदार टाइमिंग से सैनी के साथ मिलकर रन जुटाये। बीती रात के 105 रन के स्कोर से खेलने उतरे मुशीर ने अपनी पारी में 76 रन और जोड़े। सैनी (56 रन) ने भी उनका पूरा साथ दिया और अपना प्रथम श्रेणी में अपना दूसरा अर्धशतक पूरा किया जिससे भारत बी ने बिना कोई विकेट खोए 30 ओवर में 88 रन जोड़ लिए। लंच के बाद दूसरे ओवर में मुशीर की क्रीज पर 484 मिनट की पारी समाप्त हुई जब कुलदीप यादव की गेंद पर पराग ने कैच लपका। इससे उनकी 205 रन की शानदार साझेदारी का भी अंत हुआ जो

दलीप ट्रॉफी के इतिहास में आठवें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी थी। उनकी यह साझेदारी 2010 में अभिषेक नायर और रमेश पोवार के बीच आठवें विकेट के लिए जोड़े गए 197 रन से बेहतर रही। मुशीर के आउट होने के बाद भारत बी की पारी तेजी से सिमट गई। तेज गेंदबाज आकाश दीप ने 60 रन देकर चार विकेट चटकाए।

इंडिया सी बनाम इंडिया डी–दूसरा दिन

कप्तान श्रेयस अय्यर और देवदत्त पडीक्कल के तेज अर्धशतकों से इंडिया डी ने शुक्रवार को दलीप ट्रॉफी मैच के दूसरे दिन इंडिया सी के खिलाफ अपनी कुल बढ़त 202 रन की कर ली। भारतीय टीम में वापसी की कोशिश में जुटे अय्यर ने 44 गेंद में 54 रन की पारी खेली जिसमें नौ चौके और एक छक्का जड़ा था जबकि पडिक्कल ने 70 गेंद में आठ चौके से 56 रन बनाए। स्टंप तक भारत डी ने अपनी दूसरी पारी में आठ विकेट पर 206 रन बना लिए। अक्षर पटेल (नाबाद 11 रन) और हर्षित राणा क्रीज पर थे जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला था। बाएं हाथ के युवा स्पिनर मानव सुथार भारत सी के लिए दिन के स्टार रहे जिन्होंने 15 ओवर 30 रन देकर पांच विकेट झटके जिसमें पडिक्कल और रिकी भुई (44 रन) के विकेट शामिल थे। अय्यर और पडिक्कल के बीच 126 रन की साझेदारी हुई जिससे इंडिया डी की पारी संभली। इंडिया सी ने सुबह चार विकेट पर 91 रन से आगे खेलना शुरू किया और पहली पारी में 168 रन पर सिमट गई। हर्षित राणा ने 33 रन देकर चार और अक्षर पटेल ने 46 रन देकर दो विकेट झटके। इंडिया सी के लिए अनुभवी बाबा इंद्रजीत 72 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे जबकि अभिषेक पोरेल ने 34 रन का योगदान दिया।

# वो कोयला ही है... अर्जुन तेंदुलकर के भविष्य के बारे में ये क्या बोल गए युवराज सिंह के पिता योगराज

*योगराज सिंह अक्सर अपने अटपटे बयानों के कारण चर्चा में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने कपिल देव और एमएस धोनी को लेकर टिप्पणी की थी। वहीं अब वो सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को लेकर अपने बयान से फिर से चर्चा में आ गए हैं। दरअसल, जी स्विच यूट्यूब चौनल पर योगराज सिंह ने अर्जुन तेंदुलकर को कोयला कह डाला।*

युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह अक्सर अपने अटपटे बयानों के कारण चर्चा में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने कपिल देव और एमएस धोनी को लेकर टिप्पणी की थी। वहीं अब वो सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को लेकर अपने बयान से फिर से चर्चा में आ गए हैं। दरअसल, जी स्विच यूट्यूब चौनल पर योगराज सिंह ने अर्जुन तेंदुलकर को कोयला कह डाला। बता दें कि, योगराज सिंह ने एमएस धोनी को लेकर कहा था कि, वो कभी भी धोनी को माफ नहीं करेंगे क्योंकि उनके कारण उनके बेटे युवराज का करियर खत्म हुआ है। युवराज सिंह को सफल क्रिकेटर बनाने में योगराज सिंह का अहम रोल रहा है। शुरुआत में योगराज सिंह ने ही युवी को ट्रेनिंग दी थी। जबकि सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन ने भी उनसे कुछ समय पहले ट्रेनिंग ली थी। जी स्विच पर बात करते हुए योगराज सिंह से अर्जुन तेंदुलकर के बारे में सवाल किया गया तो और अर्जुन के भविष्य को लेकर भी कहा गया कि वो आपके पास ट्रेनिंग के लिए आए थे और आप उनके भविष्य को किस तरह देखते हैं। जिस पर योगराज सिंह ने कहा कि क्या आपने कोयले की खदान में हीरा देखा है। वो (अर्जुन) कोयला ही है... निकालो तो पत्थर ही है। किसी तराशगीर के हाथ में डालो तो चमक के दुनिया का कोहिनूर बना जाता है। योगराज के कहने का मतलब ये था कि कोयला है जो खदान से निकालने पर पत्थर है, लेकिन अगर इसे सही हाथों में दिया जाए, तो ये कोहिनूर बन जाता है। ये अमूल्य है, लेकिन अगर वही हीरा किसी ऐसे व्यक्ति के पास पहुंच जाए, जो इसका मूल्य नहीं जानता तो वह इसे नष्ट कर देता है। मैं ये नहीं कहता हूं कि योगराज सिंह एक महान कारीगर है। युवराज सिंह कहते हैं कि मेरे पिताजी के हाथ में जादू है, उन्होंने मुझे वह बनाया जो मैं हूं। पहले मुझे गाली दी थी, हिटलर, ड्रैगन सिंह, मैं अपने पिता से नफरत करता हूं। मेरे घर में हर कोई मुझसे नफरत करता था। मेरे रिश्तेदारों ने कहा कि मुझे पिता नहीं बनना चाहिए था, लेकिन वह अपने रास्ते पर चले और भगवान की कृपा से आपको युवराज सिंह मिले।

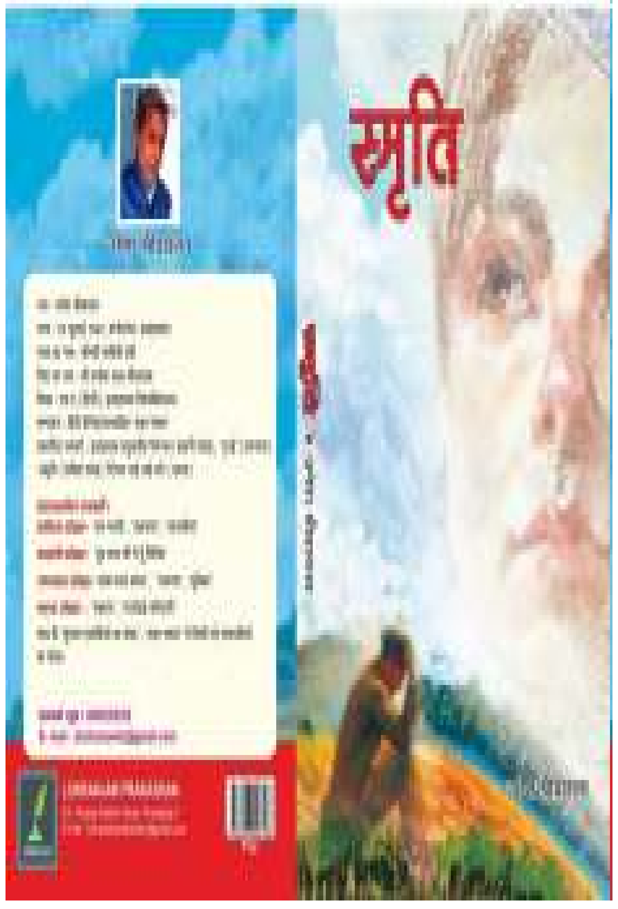


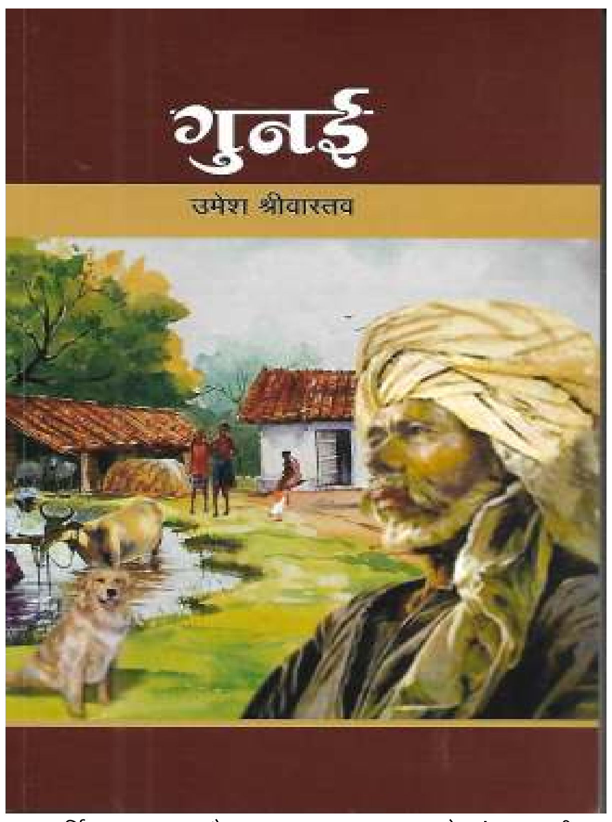


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

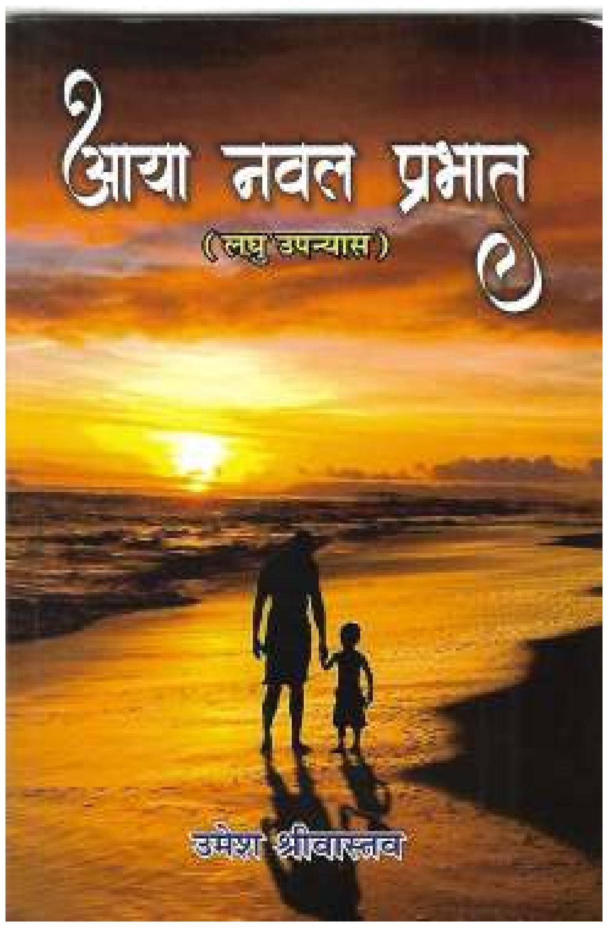


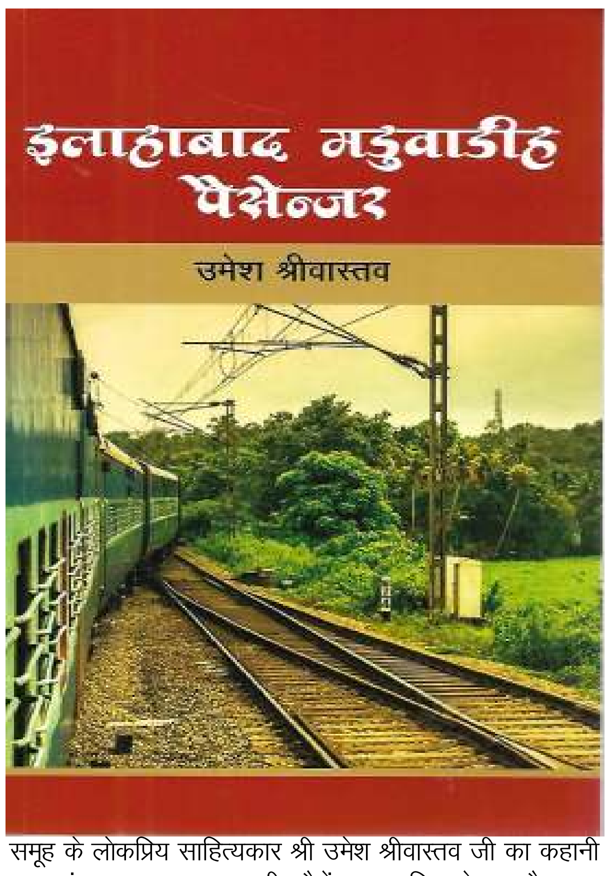


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

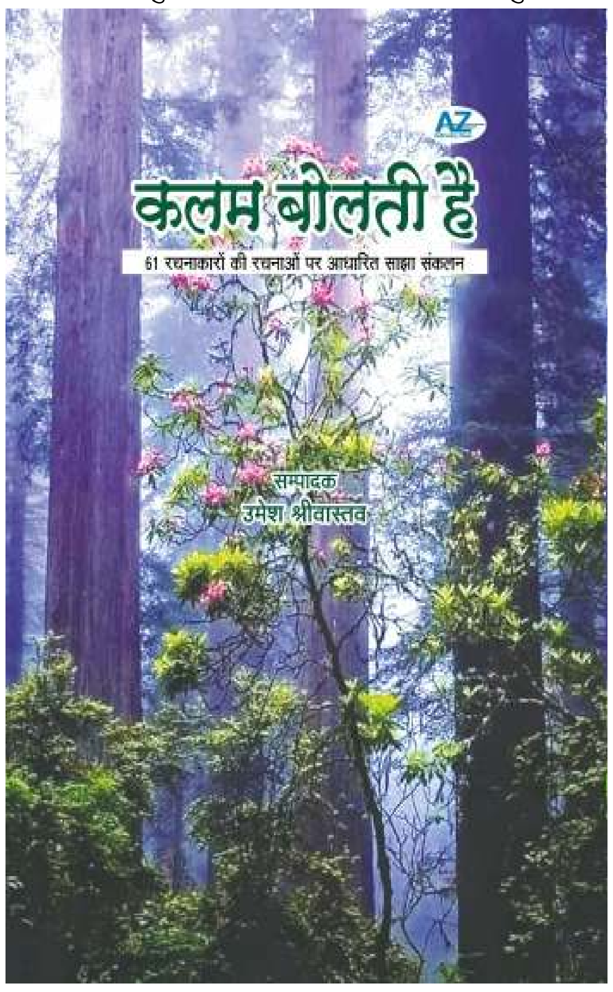


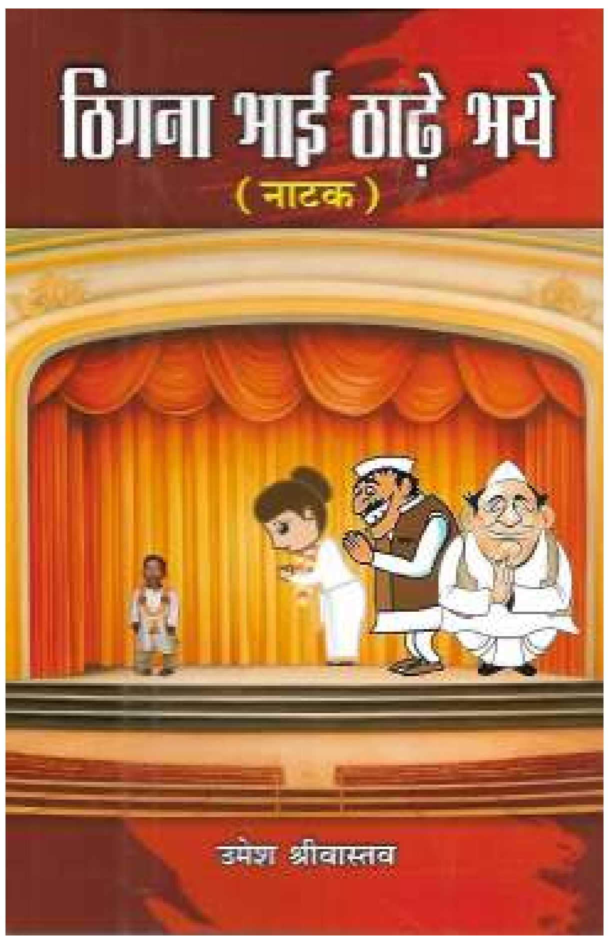


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

# डब्ल्यूएचओ की चेतावनी के बाद अमेरिका ने कसी कमर, एमपॉक्स के नए प्रकार के लिए जांच और निगरानी बढ़ाई

वॉशिंगटन। दुनियाभर में एमपॉक्स वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में अमेरिका लगातार कड़े कदम उठा रहा। उसने एमपॉक्स के एक नए प्रकार के लिए परीक्षण और निगरानी को बढ़ा दिया है। साथ ही यह सुनिश्चित किया है कि स्थानीय फार्मेसियों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टीके आसानी से उपलब्ध हों। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका में वायरस के अधिक संक्रामक प्रकार के किसी भी मामले की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन विशेषज्ञ फिर भी आगे की संभावना को लेकर कमर कस रहे हैं।

डब्ल्यूएचओ ने किया आपातकाल घोषित

दरअसल, विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक ने 14 अगस्त को तेजी से फैल रहे एमपॉक्स वायरस (जिसे पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था) को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। यह दो सालों में दूसरी ऐसी घोषणा है। क्लेड आईबी नाम के नए स्ट्रेन ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में मामलों में बड़ी वृद्धि की है। स्वीडन और थाईलैंड दोनों में यात्रा से संबंधित मामलों की पुष्टि हुई है।

एमपॉक्स के जांच का आदेश

अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ आधिकारियों का कहना है कि कोई भी अमेरिकी डॉक्टर अब एमपॉक्स के जांच का आदेश दे सकता है, जिसे राष्ट्रीय प्रयोगशाला श्रृंखलाओं के माध्यम से संसाधित किया जा सकता है। सकारात्मक परीक्षण जो एमपॉक्स के पुराने स्ट्रेन नहीं हैं, उन्हें पुष्टि के लिए अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र को भेजा जाएगा।

एक दिन में करीब तीन मामले सामने आए

मिशिगन के वेन काउंटी में स्वास्थ्य अधिकारियों ने पिछले महीने एमपॉक्स के एक नए मामले की सूचना दी थी, लेकिन अतिरिक्त परीक्षण से पता चला कि यह पुराने स्ट्रेन से था, जिसे क्लेड ᴾᴾ के रूप में जाना जाता है। वर्तमान में, संयुक्त राज्य अमेरिका क्लेड ᴾᴾ वायरस से एमपॉक्स के एक दिन में लगभग तीन मामले आना जारी थे, जिसके कारण 2022 में सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल पैदा हुआ था।

क्या है एमपॉक्स?

डब्ल्यूएचओ की वेबसाइट के अनुसार, एमपॉक्स वायरस एक ऑर्थोपॉक्स वायरस है, जो चेचक के समान लक्षणों वाली बीमारी है, हालांकि कम गंभीर है।

इस देश से फैलना शुरू हुआ मंकीपॉक्स

मौजूदा समय में दुनिया भर के देशों में इस बीमारी के मामले सामने आ रहे हैं। वहीं, मंकीपॉक्स की शुरुआत अफ्रीका के कांगो से शुरू हुई। इस देश से ये वायरस दूसरे देशों में अपने पांव पसार चुका है। कांगो में मंकीपॉक्स के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और इसे रोकने के लिए अफ्रीका द्वीप पर वैक्सीन भी थोड़ी ही मौजूद है।

लक्षण पहचानने जरूरी: मंकीपॉक्स के लक्षणों के बारे में पता होना चाहिए, ताकि आप समय रहते डॉक्टर से संपर्क कर सकें। आप नीचे देख सकते हैं कि

मंकीपॉक्स के लक्षण क्या हैं...

तेज बुखार आना

मांसपेशियों और पीठ में दर्द होना

तेज सिर दर्द और सूजन होने पर

बुखार कम होने पर शरीर में चकत्ते हो जाना

एमपॉक्स के बने रहने की अवधि पांच से 21 दिनों तक हो सकती है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, बुखार आमतौर पर एक से तीन दिनों तक रहता है। इसके बाद शरीर पर दाने होने लगते हैं, जो दो से चार सप्ताह तक रह सकते हैं।

## व्हाइट हाउस तैयार, कीर स्टार्मर का इंतजार, सुनक को हराने वाले की जो बाइडेन 13 सितंबर को करेंगे मेजबानी

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को अब कुछ ही महीने शेष रह गए हैं। राष्ट्रपति चुनाव से बैकआउट करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की मेजबानी करने वाले हैं। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 13 सितंबर को ब्रिटिश प्रधान मंत्री

कीर स्टार्मर की मेजबानी करेंगे। दोनों नेता आपसी हित के कई वैश्विक मुद्दों पर गहन चर्चा करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दोनों नेता रूसी आक्रामकता के खिलाफ यूक्रेन की रक्षा में मजबूत समर्थन जारी रखना, गाजा में युद्ध को समाप्त करने के लिए बंधकों की रिहाई और युद्धविराम समझौते को सुनिश्चित करना, अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग की रक्षा करना, लाल सागर में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों से और एक स्वतंत्र और खुले इंडो–पैसिफिक को आगे बढ़ाना शामिल है। स्टॉर्मर शुक्रवार को ऐसे समय में अमेरिका की यात्रा करेंगे, जब बाइडन अपने कार्यकाल के अंतिम महीनों में अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी सक्रियता बढ़ाने की कोशिशों में जुटे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन पियरे ने एक बयान में कहा कि ओवल ऑफिस (राष्ट्रपति कार्यालय) में होने वाली यह बैठक यूक्रेन के लिए पश्चिमी समर्थन को जारी रखने पर केंद्रित होगी, क्योंकि वह रूस के आक्रमण को रोकने की कोशिश कर रहा है। जीन–पियरे के मुताबिक, बैठक में इजराइल और हमास के बीच एक बंधक समझौता और संघर्ष–विराम कराने, लाग सागर में वाणिज्यिक जहाजों को ईरान समर्थित हूती लड़ाकों के हमलों से बचाने तथा हिंद प्रशांत क्षेत्र में साझा चिंताओं के मुद्दे पर भी चर्चा होगी। स्टॉर्मर ने इससे पहले जुलाई में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए वाशिंगटन की यात्रा की थी। इस दौरान, उनकी बाइडन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी हुई थी।

## बाइडन अगले सप्ताह व्हाइट हाउस में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टॉर्मर के साथ बैठक करेंगे

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अगले सप्ताह वाशिंगटन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केयर स्टॉर्मर के साथ बैठक करेंगे, जिसमें यूक्रेन और गाजा में युद्ध के अलावा कई अन्य मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। स्टॉर्मर शुक्रवार को ऐसे समय में अमेरिका की यात्रा करेंगे, जब बाइडन अपने कार्यकाल के अंतिम महीनों में अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी सक्रियता बढ़ाने की कोशिशों में जुटे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन पियरे ने एक बयान में कहा कि ओवल ऑफिस (राष्ट्रपति कार्यालय) में होने वाली यह बैठक यूक्रेन के लिए पश्चिमी समर्थन को जारी रखने पर केंद्रित होगी, क्योंकि वह रूस के आक्रमण को रोकने की कोशिश कर रहा है। जीन–पियरे के मुताबिक, बैठक में इजराइल और हमास के बीच एक बंधक समझौता और संघर्ष–विराम कराने, लाग सागर में वाणिज्यिक जहाजों को ईरान समर्थित हूती लड़ाकों के हमलों से बचाने तथा हिंद प्रशांत क्षेत्र में साझा चिंताओं के मुद्दे पर भी चर्चा होगी। स्टॉर्मर ने इससे पहले जुलाई में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए वाशिंगटन की यात्रा की थी। इस दौरान, उनकी बाइडन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी हुई थी।

## सिंगापुर से ग्वांगझाऊ जा रहे विमान में खराबी के कारण सात लोग घायल

सिंगापुर से चीन के ग्वांगझाऊ शहर जा रहा एक विमान तकनीकी खराबी के कारण बीच हवा में लहराने लगा, जिससे उसमें सवार सात लोग घायल हो गए। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' की खबर के अनुसार, घायलों में से एक को अस्पताल ले जाया गया है। विमानन कंपनी स्कूट ने कहा कि शुक्रवार सुबह जब विमान ग्वांगझाऊ के पास पहुंचा, तो उसमें कुछ कंपनी खराबी आ गई। कंपनी ने कहा कि बोइंग 787–9 ड्रीमलाइनर विमान स्थानीय समयानुसार सुबह 9.10 बजेअपने गंतव्य परउतरा। इसने तड़के लगभग 5.45 बजे सिंगापुर से उड़ान भरी थी। स्कूट ने कहा, ग्वांगझाऊ पहुंचने पर चार यात्रियों और चालक दल के तीन सदस्यों को चोट लगने की बात सामने आई, जिनमें से एक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया।

# बर्फ हटाने वाली प्रणाली में खराबी से दुर्घटनाग्रस्त हुआ ब्राजीलियाई विमान

ब्राजील में पिछले महीने दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान के पायलट ने पंखों से बर्फ हटाने वाली प्रणाली में खराबी की जानकारी दी थी। शुक्रवार को जारी एक प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। नौ अगस्त को पराना प्रांत के कास्कावेल से साओ पाउलो के गुआरुलहोस जा रहा विमान विन्हेदो में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिससे उसमें सवार सभी 62 लोगों की मौत हो गई थी। जांचकर्ताओं ने बर्फ निकालने वाली प्रणाली में खराबी को हादसे की मुख्य वजह नहीं बताया और कहा कि इसके वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए और

जांच की जरूरत है। लेकिन उनकी रिपोर्ट विमानन विशेषज्ञों की इस परिकल्पना को बल देती है कि संभवतः विमान के पंखों पर बर्फ जमने और 'डी–आइसिंग सिस्टम' के बर्फ हटाने में नाकाम रहने के कारण यह हादसा हुआ। हादसे के दिन की मौसम पूर्वानुमान रिपोर्ट में भी उस इलाके में बर्फ जमने का अनुमान जताया गया था, जहां विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हवाई दुर्घटनाओं की जांच और रोकथाम के लिए ब्राजीलियाई वायु सेना के केंद्र के जांचकर्ता पाउलो फ्रेस ने ब्राजीलिया में संवाददाताओं से कहा कि विमान के कॉकपिट में लगे 'वॉयस रिकॉर्डर' में दर्ज ऑडियो से पता चला है कि पायलट ने पंखों पर बर्फ जमने और 'डी–आइसिंग सिस्टम' के बर्फ हटाने में नाकाम रहने के संकेत दिए थे। फ्रेस के मुताबिक, हादसे से महज दो मिनट पहले सह–पायलट ने कहा था, "बहुत ज्यादा बर्फ।" विमान के डेटा रिकॉर्डर ने भी संकेत दिए कि पंखों पर बर्फ जमने से रोकने के लिए जिम्मेदार 'डी–आइसिंग सिस्टम' कई बार चालू और बंद हुआ था।

# बीएसएफ को बीजीबी का आश्वासन- सीमावर्ती जिलों के अल्पसंख्यकों की होगी सुरक्षा

भारत–बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर वर्तमान स्थिति की निगरानी के लिए गुरुवार को समिति की दूसरी बैठक हुई। बैठक में बीएसफ ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के साथ विभिन्न संचारों की प्रगति और विशेष रूप से बांग्लादेश के सीमावर्ती जिलों में रहने वाले अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा की स्थिति की चर्चा की। बीजीबी ने अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की सुरक्षा के लिए सभी कदम उठाने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि 12 दोनों सीमा सुरक्षा बलों ने विभिन्न स्तरों पर लगभग 722 सीमा बैठकें की हैं। बैठक की अध्यक्षता बीएसएफ (पूर्वी कमान) के एडीजी रवि गांधी ने की, जिसमें भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण (एलपीएआई) के सदस्यों सहित सभी अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

बीएसएफ ने अवैध घुसपैठ का मुद्दा उठाया

बीएसएफ के पूर्वी कमान के प्रवक्ता संजय गुप्ता ने शुक्रवार को बताया कि बैठक में इसके अलावा, दोनों सीमा सुरक्षा बलों ने पूर्वी कमान के क्षेत्राधिकार में संवेदनशील भागो में 1367 समन्वित समन्वयकारी गश्त (एससीपी) की है। इन सीमा बैठकों के दौरान, बीजीबी अधिकारियों से भारतीय क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले बांग्लादेशी नागरिकों को रोकने के लिए आग्रह किया गया। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने बैठकों के दौरान बांग्लादेश में भारतीय नागरिकों और अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की सुरक्षा के लिए सभी कदम उठाने का आश्वासन दिया। दोनों सीमा सुरक्षा बलों के अधिकारी विभिन्न मामलों पर वास्तविक समय में सूचना साझा करते हुए निरंतर संपर्क में हैं।

बीएसएफ ने कीं 15 दिनों में 614 बैठकें

गुप्ता ने बताया कि बीएसएफ ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ

रहने वाले भारतीय ग्रामीणों के साथ ग्रामीण समन्वय बैठकें भी आयोजित की हैं ताकि वे बांग्लादेश में व्याप्त स्थिति के बारे में जागरूक हों और सीमा प्रबंधन में उनका सहयोग लिया जा सके। पूर्वी कमान के क्षेत्राधिकार में पिछले 15 दिनों में कुल 614 ऐसी बैठकें आयोजित की गई हैं, जहां ग्रामीणों ने बहुत गर्मजोशी से प्रतिक्रिया दी है। इसके अलावा, इस अवधि के दौरान सीमा की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सहयोगी एजेंसियों के साथ भी कई बैठकें आयोजित की गई हैं।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर है शांतिपूर्ण स्थिति

गुप्ता ने बताया कि भारत–बांग्लादेश सीमा पर स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है और बीएसएफ अंतरराष्ट्रीय सीमा की अक्षुणता के साथ–साथ सीमा के निकट रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बीएसएफ कर्मी समन्वित सीमा प्रबंधन योजना (सीबीएमपी) के अंतर्गत बीजीबी के साथ परस्पर सहयोग में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर डटे हुए हैं।

# स्कूल, मकान, सब स्वाहा, गाजा में भीषण तबाही, इजरायल ने बदल दिया पूरा नक्शा

फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण की आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने शनिवार तड़के रिपोर्ट दी कि गाजा में शरणार्थियों को शरण देने वाले एक स्कूल और एक आवासीय इमारत पर इजरायली हमलों में कम से कम 13 फ़िलिस्तीनी मारे गए और 15 घायल हो गए। डब्ल्यूएएफए ने कहा कि मृतकों में से कम से कम आठ उत्तरी गाजा के जबालिया में हलीमा अल–सादिया स्कूल में शरणार्थी तंबू में थे। इज़रायली सेना ने एक बयान में कहा कि उसने उन आतंकवादियों पर सटीक हमला किया था जो एक परिसर के अंदर बने हमास कमांड और कंट्रोल सेंटर के अंदर काम कर रहे थे, जो पहले उत्तरी गाजा पट्टी में शहलीमा अल–सादियाश स्कूल के रूप में काम करता था। एक अलग घटना में मध्य गाजा में नुसीरात शिविर में एक आवासीय इमारत पर इजरायली हमले में पांच फिलिस्तीनी मारे गए। दशकों पुराने इजरायल–फिलिस्तीनी संघर्ष में नवीनतम रक्तपात पिछले साल 7 अक्टूबर को शुरू हुआ था जब इजरायली आंकड़ों के अनुसार, हमास के नेतृत्व वाले आतंकवादियों ने इजरायल में हमला किया था, जिसमें 1,200 लोग मारे गए थे और लगभग 250 बंधकों को ले लिया था। स्थानीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमास–शासित क्षेत्र पर इजरायल के बाद के हमले में 40,800 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, जबकि 2.3 मिलियन की लगभग पूरी आबादी विस्थापित हो गई, जिससे भूख का संकट पैदा हो गया और विश्व न्यायालय में नरसंहार के आरोप लगे, जिससे इजरायल इनकार करता है। फलस्तीन के पश्चिमी तट पर बस्ती बसाने के खिलाफ शुक्रवार को आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल एक अमेरिकी महिला को इजराइली सैनिकों ने गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को यह जानकारी दी। वहीं, दो चिकित्सकों ने बताया कि महिला के सिर में गोली मारी गई। अमेरिक के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने तुर्किये में जन्मीं 26 वर्षीय महिला आयसेनुर एजगी ईगी की मौत की पुष्टि की। उन्होंने यह नहीं बताया कि उसे इजराइली सैनिकों ने गोली मारी या नहीं। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि वह एक अमेरिकी नागरिक की हत्या से 'बहुत परेशान' है।

## संक्षिप्त समाचार

### कमला हैरिस भारत–अमेरिका संबंधों के लिए फिट नहीं, ट्रम्प को मिला हिंदू संगठनों का समर्थन

हिंदूज़ फ़ॉर अमेरिका फ़र्स्ट ने घोषणा की है कि वह रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन करेगा और पेंसिल्वेनिया, जॉर्जिया और उत्तरी कैरोलिना के प्रमुख युद्ध के मैदानों में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। निर्णय की घोषणा करते हुए, हिंदू फॉर अमेरिका फर्स्ट के अध्यक्ष और संस्थापक उत्सव संदुजा ने दावा किया कि हैरिस भारत–अमेरिका संबंधों के लिए ठीक नहीं

होंगी। चिंता की बात यह है कि यदि कमला संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रपति बन जाती हैं, तो वह कुछ लिबरल को पीठ पर बिठा सकती हैं, जो वास्तव में एशियाई–अमेरिकी मतदाताओं को प्रभावित करने वाले इस (और) मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट को पलट सकते हैं। उन्होंने कहा कि बाइडन–हैरिस प्रशासन ने सीमा को सुरक्षित नहीं रखा। हैरिस राष्ट्रपति जो बाइडन के बाद दूसरे नंबर की ताकतवर नेता हैं लेकिन उन्होंने अमेरिका में अवैध प्रवासियों को आने से रोकने के लिए कुछ नहीं किया। ट्रंप भारत के समर्थक हैं। उनके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बेहतरीन संबंध हैं और उन्होंने कई रक्षा परियोजनाओं पर सहयोग किया, जिससे भारत को चीन का सामना करने में मदद मिलेगी। संदूजा ने कहा कि इसके उलट 'कमला हैरिस ने भारत सरकार और भारतीय लोगों के बारे में कई अपमानजनक टिप्पणियां कीं जबकि ट्रंप ने देश के आंतरिक मामलों में कभी हस्तक्षेप नहीं किया।

### चीन के हैनान में चक्रवात से दो लोगों की मौत, 92 घायल

चीन के हैनान प्रांत में शक्तिशाली चक्रवात 'यागी' की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम 92 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि च्रकवात से भारी बारिश और हवाओं के कारण 8,00,000 से अधिक घरों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। चक्रवात 'यागी' शनिवार को टोंकिन की खाड़ी के ऊपर से उत्तरी वियतनाम की ओर बढ़ रहा है। वियतनामी अधिकारियों ने 'यागी' को ''पिछले एक दशक में क्षेत्र में आए सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक'' बताया है। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों ने कहा कि चक्रवात 'यागी' चीन में शरदकाल में आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान है।

### बोइंग का 'स्टारलाइनर' यान बिना अंतरिक्ष यात्रियों के धरती पर लौटा, न्यू मैक्सिको के रेगिस्तान में उतरा

बोइंग का संकटग्रस्त स्टारलाइनर अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बैरी ई. विल्मोर के बिना ही अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से पृथ्वी पर लौट आया। गमड्रॉप के आकार का कैप्सूल लगभग 0401 ळडज (सुबह 9रू30 बजे) पर न्यू मैक्सिको के व्हाइट सैंड्स स्पेस हार्बर पर उतरा। पैराशूट के कारण इसकी गति धीमी हो गई और एयरबैग की सहायता से इसे नीचे उतारा गया, क्योंकि यह लगभग छह घंटे पहले ही आई.एस.एस. से रवाना हुआ था। वर्षों के विलंब के बाद, स्टारलाइनर को जून में प्रक्षेपित किया गया, जो लगभग एक सप्ताह का परीक्षण मिशन था – चालक दल को कक्षीय प्रयोगशाला में लाने–ले जाने के लिए अंततः प्रमाणित होने से पहले एक अंतिम परीक्षण। लेकिन थ्रस्टर में अप्रत्याशित खराबी और हीलियम रिसाव के कारण ये योजनाएं पटरी से उतर गईं और नासा ने अंततः निर्णय लिया कि अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को प्रतिद्वंद्वी स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन पर वापस लाना अधिक सुरक्षित होगा। हालांकि उन्हें फरवरी 2025 तक इंतजार करना होगा।

### 'पॉर्न स्टार' को गुप्त तरीके से धन देने के मामले में अदालत ने ट्रंप की सजा पर सुनवाई नवंबर तक टाली

मैनहट्टन की एक अदालत ने शुक्रवार को 'पॉर्न स्टार' को चुप रहने के लिए पैसे देने से जुड़े आपराधिक मामले में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सजा सुनाने की प्रक्रिया को नवंबर तक के लिए टाल दिया है। इससे पहले, ट्रंप ने इस मामले में संघीय अदालत से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया था, ताकि उनकी दोषसिद्धि को पलटा जा सके और अगले महीने निर्धारित सजा को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने का रास्ता खोजा जा सके। ट्रंप के वकीलों ने मामले की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश जुआन एम मर्चेन से 18 सितंबर के लिए निर्धारित ट्रंप को सजा सुनाने की तारीख को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने का आग्रह किया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।